

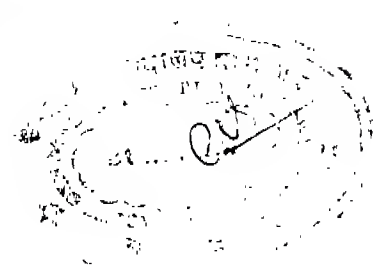


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 38] नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 30, 1993/आश्विन 8, 1915 (शक)
No. 38] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 30, 1993/ASHVINA 8, 1915 (SHAKA)

दि इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया
(कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत गठित)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1993

फाइल सं. 104/21/एकाउन्ट्स.—31 मार्च, 1993 को समाप्त वर्ष की दि इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की परिषद् की तेरहवीं वार्षिक रिपोर्ट।

1. प्रस्तावना:

कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 की धारा 18(5) के अनुसरण में यदि इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की परिषद् की 31 मार्च, 1993 को समाप्त वर्ष की तेरहवीं वार्षिक रिपोर्ट और इस अवधि के लेखों के परोक्षित विवरण तथा उन पर इंस्टीट्यूट के कामकाज की लेखा परीक्षक रिपोर्ट प्रकाशित करती है। उक्त वर्ष की 31 मार्च, 1993 को समाप्त वर्ष में इंस्टीट्यूट की महत्वपूर्ण गतिविधियों को भी शामिल किया गया है।

2. नई घटनाएँ:

2.1 आई सी एस आई के रजत जयन्ती समारोह

वर्ष 1992 भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए केवल इसलिए महत्वपूर्ण नहीं था क्योंकि विकास के लिए उदारीकरण

किया गया, अपितु इंस्टीट्यूट के लिए भी यह महत्वपूर्ण वर्ष था। 4-10-1992 को इंस्टीट्यूट ने रजत जयन्ती वर्ष में प्रवेश किया। आपको याद होगा कि आई सी एस आई को 4-10-1968 को धारा 25 कम्पनी के रूप में पंजीकृत किया गया था और इसने कम्पनी सचिवीय परोक्षाएं आयोजित करने, प्रशिक्षण प्रदान करने और सामान्य रूप से इस व्यवसाय को विनिर्गमित करने का काम अपने हाथ में लिया। निःसन्देह इस व्यवसाय का उद्गम 1960 में हो गया था जब सरकार ने जो.डो.सी.एन. परोक्षाएं शुरू की थीं। इस महत्वपूर्ण अवसर को समुचित ढंग से मनाने के लिए इंस्टीट्यूट और क्षेत्रीय परिषदों ने शानदार सार्वजनिक समारोहों का आयोजन किया। रजत जयन्ती समारोहों का शुभारम्भ 4 अक्टूबर, 1992 को नई दिल्ली में इंस्टीट्यूट के मुख्यालय में आयोजित किया गया। इस अवसर पर दिल्ली में इंस्टीट्यूट के रजत जयन्ती समारोहों का उद्घाटन भारत सरकार के तत्कालीन उद्योग और वाणिज्य राज्य मंत्री श्री पी.जे. कूरियन ने किया। माननीय मंत्री महोदय ने प्रथम दिन विशेष डाक टिकटों को भी जारी किया तथा समारोह में उपस्थित भूतपूर्व अध्यक्षों को भी सम्मानित किया। उन्होंने गत 25 वर्षों में निगम क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिये इंस्टीट्यूट और उसके सदस्यों को सराहना की। इंस्टीट्यूट के रजत जयन्ती समारोहों के भाग के रूप में इंस्टीट्यूट के सदस्यों में वृद्धि करने का एक विशेष अभियान आरम्भ किया गया।

2.2 प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं 20वां राष्ट्रीय सम्मेलन 12, 13 और 14 नवम्बर, 1992 को कलकत्ता में आयोजित प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय एवं 20वां राष्ट्रीय सम्मेलन एक और महत्वपूर्ण घटना थी। लगभग 600 प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया, जिनमें पाकिस्तान, श्रीलंका और वंगना देश से आए हमारे व्यवसाय के बन्धु भी शामिल थे।

2.3 आई. सी. एस. ए. की श्रीलंकाई एसोसिएशन के प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी

13 और 14 अगस्त, 1992 को कोलम्बो में आई.सी.एस.ए. की श्रीलंकाई एसोसिएशन द्वारा आयोजित प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हमारे अध्यक्ष तथा उनके साथ उपाध्यक्ष एवं परिषद् के कुछ अन्य सदस्यों तथा अन्य व्यावसायिक सहयोगियों ने भाग लिया; इस सम्मेलन का विषय था “उद्गामीकृत अर्थव्यवस्था में निगम क्षेत्र का वायित्व”। पड़ोसी देशों में से भारतीय प्रतिनिधि मण्डल सबसे बड़ा था।

2.4 विधि, न्याय और कम्पनी कार्य के माननीय राज्य मंत्री का दौरा

26 जलाई, 1992 को विधि, न्याय और कम्पनी कार्य के माननीय राज्य मंत्री श्री एच.आर. भारद्वाज ने इंस्टीट्यूट के मुख्यालय का दौरा किया तथा उन्होंने निगम अधिशासन संबंधी मामलों, कम्पनी विधि के सरलीकरण एवं कम्पनी सचिव व्यवसाय की भूमिका और महत्व के बारे में दिल्ली में इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और परिषद् के सदस्यों से विस्तृत चर्चा की। मंत्री महोदय ने निगम क्षेत्र में इंस्टीट्यूट और कम्पनी सचिवों की लाभप्रद भूमिका की सराहना की।

2.5 लेक्सपो 93 का सहप्रयोजन

समीक्षाधीन वर्ष में इंस्टीट्यूट ने भारत तथा अमेरिका के प्रमुख व्यापार और व्यावसायिक एसोसिएशनों एवं बैंक ऑफ अमेरिका के साथ मिल कर ‘लेक्सपो’ 93-भारत में व्यापार करने संबंधी कानूनी और वित्तीय पहलुओं “संबंधी सम्मेलन को आयोजित किया। इसे नई दिल्ली में 6-8 फरवरी, 1993 को अमरीकी दूतावास ने आयोजित किया। अध्यक्ष महोदय ने प्रतिनिधियों को संबोधित किया तथा वर्तमान निगम वातावरण में कम्पनी सचिवों की जोरदार और महत्वपूर्ण भूमिका की विस्तार से चर्चा की।

2.6 फाउण्डेशन पाठ्यक्रम का अखिल भारतीय शुभारम्भ

परिषद् को यह सूचित करते हुए प्रसन्नता है कि अब सरकार ने फाउण्डेशन पाठ्यक्रम आरम्भ करने, वर्तमान पाठ्य विवरण को युक्तियुक्त बनाने तथा विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक अनुभव और प्रशिक्षण की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन्हें और अधिक सुदृढ़ बनाने की स्वीकृति दे दी है। इंस्टीट्यूट के रजत जयन्ती वर्ष में फाउण्डेशन

पाठ्यक्रम का शुभारम्भ होना एक महत्वपूर्ण कार्य है तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप एक स्वागत योग्य उपाय है, जिसके अनुसार प्रतिभावान विद्यार्थियों को काफी संख्या में और सही आयु और समय पर 10+2 स्तर पर ही व्यावसायिक अध्ययन के शुरू करने को प्रेरणा देना है।

2.7 फाउण्डेशन पाठ्यक्रम के अखिल भारतीय समारोह का उद्घाटन 3 सितम्बर, 1993 को नई दिल्ली में विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य के माननीय राज्य मंत्री श्री एच.आर. भारद्वाज द्वारा किया जा रहा है।

3. परिषद्

3.1 अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

1 जनवरी, 1993 को हुई बैठक में पी.टी. रंगामणि अध्यक्ष पद से मुक्त हो गए। 1 जनवरी, 1993 से एक वर्ष के लिए महेश शाह, अध्यक्ष और यू.के. चौधरी, उपाध्यक्ष चुन लिए गए। परिषद् श्री पी.टी. रंगामणि द्वारा इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष के रूप में की गई मुख्यवान सेवाओं की सराहना करती है।

3.2 परिषद् का गठन

केन्द्र सरकार ने 1 जनवरी, 1993 से जे. श्रीधरन के स्थान पर श्री आर. कृष्णन को परिषद् में अपना नामिती नियुक्त किया। केन्द्र सरकार ने 20 जुलाई, 1991 से आर. डी. जोशी को सुधा पिल्लई की जगह पर नामांकन किया। समीक्षाधीन वर्ष में सभी अन्य सदस्य अपने पदों पर कार्य करते रहे। परिषद् जे. श्रीधरन द्वारा परिषद् के सदस्य के रूप में उनकी सेवाओं की सराहना करती है।

3.3 बैठकें

परिषद् ने इस वर्ष में पांच बैठकें रखीं।

3.4 समितियां प्रादि

परिषद् ने तीन स्थायी और छः अन्य समितियां गठित कीं। इसके अलावा परिषद् ने अपनी सहायता के लिए विभिन्न विशेषज्ञ ग्रुप और सलाहकार बोर्ड गठित किए। इनकी संरचना रिपोर्ट के परिशिष्ट ‘क’ में दी गई हैं।

4. क्षेत्रीय परिषदें और शाखाएं :

4.1 क्षेत्रीय परिषदें

परिषद् द्वारा अपने कार्यों में सहायता के लिए गठित चार क्षेत्रीय परिषदों में इस वर्ष सुचारु रूप से काम चलता रहा। इन परिषदों ने सम्मेलन, सेमिनार और बैठकें आयोजित कीं, विद्यार्थियों के लिए मौखिक शिक्षण और सचिवीय माइयूलर परामर्श, पुस्तकालय सुविधाएं, जीवन वृत्ति संबंधी परामर्श, नियमित रूप से समाचार बुलेटिनों के प्रकाशन तथा अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली शाखाओं को सहायता प्रदान करने जैसी सेवाओं को सम्पन्न किया। क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं की गतिविधियां इनके ‘न्यूजलेटर्स’ और चार्टर्ड सैक्रेटरी में नियमित रूप से प्रकाशित होती रही

हैं। 31 मार्च, 1993 को प्रत्येक क्षेत्र में अलग-अलग क्षेत्रीय परिषदों की आरक्षण निधि और अधिशेष तथा इनके सदस्यों और विद्यार्थियों की संख्या की स्थिति इस रिपोर्ट के परिशिष्ट 'ख' में दी गई है।

4.2 शाखाएं

चार क्षेत्रीय परिषदों के क्षेत्राधिकार के अधीन गठित 36 शाखाओं ने विद्यार्थियों की शिक्षा और प्रशिक्षण तथा सदस्यों के व्यावसायिक विकास संबंधी स्थानीय गतिविधियां आयोजित कीं। इन शाखाओं में नोयडा तथा मुरत में स्थापित नई शाखाएं भी शामिल हैं।

4.3 विदेशों में शाखाएँ स्थापित करने तथा प्रचार करने के प्रयास

विदेशों में निकट पारस्परिक कार्य करने और सहयोग बढ़ाने के स्पष्ट उद्देश्य की ध्यान में रखते हुए विदेशों में शाखाएँ/अध्ययन सफल स्थापित करने के विशेष प्रयास किए गए तथा इसके लिए दुबई, नाइजीरिया, सऊदी अरब, जाम्बिया, बहाराइन, कनाडा, अमरीका, यू.के., मलेशिया, मस्कट और सबा (ओमान) में नए सदस्यों को पत्र लिखे। पड़ोसी देशों में कम्पनी सचिवीय पाठ्यक्रम चलाने और योग्य कम्पनी सचिवों का केन्द्र बनाने के लिए व्यवसाय का विकास करने की संभावनाओं का पता लगाने के प्रयास भी किए गए।

4.4 सर्वोत्तम शाखा पुरस्कारों की प्रस्तुति

12 नवम्बर, 1992 को कलकत्ता के होटल ओबराय ग्रांड में आयोजित प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कम्पनी सचिवों के 20वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के अवसर पर जी. वेंकटरामन ने 1990-91 के निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किए :

सर्वोत्तम राष्ट्रीय शाखा	अयपुर (उत्तर)
सर्वोत्तम क्षेत्रीय शाखाएं	
(क) पूर्वी क्षेत्र	भुवनेश्वर
(ख) उत्तरी क्षेत्र	जयपुर
(ग) दक्षिणी क्षेत्र	हैदराबाद
(घ) पश्चिमी क्षेत्र	अहमदाबाद

5. सदस्य

5.1 सदस्यता

इस वर्ष 525 व्यक्तियों को एसोसिएट सदस्य और 120 एसोसिएट सदस्यों को फेलो सदस्यों के रूप में प्रवेश दिया गया। 31 मार्च, 1993 को इंस्टीट्यूट के रजिस्टर में 8848 सदस्य दर्ज थे, जिनमें 6789 एसोसिएट तथा 2059 फेलो सदस्य थे। 31 मार्च, 1993 की विदेश में रहने वाले सदस्यों की संख्या 195 थी। परिषद् इस वर्ष के दौरान 11 सदस्यों की मृत्यु पर संवेदना प्रकट करती है।

5.2 सदस्यों में वृद्धि

सदस्यों संबंधी आंकड़ों और प्रेक्टिस प्रमाणधारी सदस्यों के बारे में आंकड़ों की सारणी इस रिपोर्ट के परिशिष्ट 'ग' में दी गई है।

5.3 सदस्यों की सूची

कम्पनी सचिव विनियमावली, 1982 के विनियम 161 के साथ पठनीय कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 की धारा 19(3) के अनुसरण में 1 अप्रैल, 1992 की स्थिति के अनुसार सदस्यों की एक पूरी सूची प्रकाशित कर दी गई है जो सदस्यों की उनके अनुरोध पर सप्लाई की जाएगी।

5.4 प्रेक्टिस प्रमाणपत्र

इस वर्ष 82 सदस्यों को प्रेक्टिस के लिए प्रमाणपत्र जारी किए गए। 31 मार्च, 1993 को 609 सदस्यों के पास प्रेक्टिस प्रमाणपत्र थे, जबकि 31 मार्च, 1992 को यह संख्या 1102 थी।

5.5 व्यवसायगत कम्पनी सचिव डायरेक्टरी

31 दिसम्बर, 1992 की स्थिति के अनुसार प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिवों की डायरेक्टरी प्रकाशित की गई।

5.6 सदस्यों से सम्बन्धित अनुशासनिक मामले

समीक्षाधीन वर्ष में सदस्यों के विषय कदाचार के आरोपों की शिकायतों की संख्या में कमी की प्रवृत्ति देखने को मिली है। किन्तु परिषद् आचरण संहिता की तरफ ध्यान रखते हुए और सदस्यों से जिस नैतिकता की अपेक्षा की जाती है उसके प्रति सतर्क रहते हुए सदस्यों की आचरण संहिता जागू करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रही है।

6. व्यावसायिक विकास और अन्तर्गत शिक्षा कार्यक्रम

6.1 समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इंस्टीट्यूट ने व्यावसायिक विकास की गतिविधियों के रूप में सात कार्यक्रम (जिनमें एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी शामिल है) आयोजित किए, जिनका ज्योरा इस रिपोर्ट के परिशिष्ट 'घ' में दिया गया है।

6.2 16-17 अक्टूबर, 1992 को कम्पनी कार्य विभाग के अपर सचिव जी. वेंकटरामन ने "उदीयमान पुंजी बाजार" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन किया। विल्ली उच्च न्यायालय के भूतपूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस राजेन्द्र मुखर्जी, कम्पनी कार्य विभाग के अनेक वरिष्ठ अधिकाधिकारियों, एस.ई.बी.आई.के प्रमुख प्रतिभूति विभाग के अध्यक्ष, एस.एच.सी.आई.एल. के प्रबंध निदेशक, ओ.टी.सी.ई.आई. के कार्यपालक, बैंक ऑफ न्यूयार्क के उपाध्यक्ष आदि ने सेमिनार को सम्बोधित किया। इस सेमिनार को बहुत प्रशंसा हुई तथा प्रेस, आकाशवाणी और दूरदर्शन ने सेमिनार के बारे में समाचार दिए।

7. प्रकाशन :

7.1 चार्टर्ड सेक्रेटरी

पिछले 23 वर्षों से प्रकाशित हो रही इंस्टीट्यूट की प्रतिष्ठित मासिक पत्रिका 'चार्टर्ड सेक्रेटरी' ने लगातार अपनी प्रतिष्ठा, गुणवत्ता और मुस्तेदी बनाए रखी। इसमें सरकारी अधिसूचनाएं, कानूनी निर्णयों और ज्ञानवर्धक लेख प्रकाशित किए जाते रहे हैं। अप्रैल 1992 के अंक को केन्द्रीय बजट (1992-93) के विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया गया।

7.2 मार्गदर्शी टिप्पणियां

पूँजी निर्गम पर से नियंत्रण समाप्त होने से उत्पन्न भूक्त मूल्य निर्धारण व्यवस्था के संदर्भ में निदेशक के सामने स्थिति स्पष्ट रखने, इसके पूर्ण प्रकटन और संरक्षण प्रदान करने को सुनिश्चित करने के लिए एस.ई.बी.आई. ने 11 जून, 1992 को कुछ मार्ग निर्देश जारी किए थे, जिन्हें बाद में छः बार स्पष्ट किया गया है। इस क्षेत्र में कम्पनी सचिवों की विशेषज्ञता और प्रशिक्षण को देखते हुए इन मार्गनिर्देशों में उन्हें अनुपालन प्रमाणपत्र जारी करने का प्राधिकार दिया गया है। कम्पनी सचिवों द्वारा प्रभावकारी ढंग से अपना कर्तव्य निभाने में सहायता देने के लिए इंस्टीट्यूट ने एस.ई.बी.आई. के मार्गनिर्देशों पर मार्गदर्शी टिप्पणी तैयार की है, जिसमें बताया गया है कि प्रमाणीकरण से पहले कम्पनी सचिव को कौन-सी बातें जांच कर लेनी चाहिए।

पूँजी बाजार पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में सदस्यों से टिप्पणियाँ/सुझाव प्राप्त करने के लिए इस मार्गदर्शी टिप्पणी को उनमें परिचालित किया था। इस प्रकार अन्तिम रूप से तैयार मार्गदर्शी टिप्पणी को "पूँजी निर्गम की हस्तपुस्तिका" के एक भाग के रूप में प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा बीसवें राष्ट्रीय सम्मेलन में जारी किया था।

7.3 पूँजी निर्गम की हस्तपुस्तिका

इंस्टीट्यूट ने अपने सदस्यों के लाभ के लिए "भेनुअल ग्रान केपिटल इशूज" (एस.ई.बी.आई. के मार्गनिर्देशों के संदर्भ में) प्रकाशित की है, जिसमें एस.ई.बी.आई. द्वारा जारी मार्गनिर्देश और सार्वजनिक पूँजी निर्गम से सम्बन्धित उपयोगी सामग्री दी गई है, इसमें सुसंगत अधिनियम और नियम, एस.ई.बी.आई. द्वारा बिचौलियों के पंजीकरण, मर्जेंट बैंकरो के प्राधिकरण, निवेश के संविभागीय प्रबन्ध, एस.ई.बी.आई. द्वारा प्रोस्पेक्टस, प्रस्ताव पत्र, स्टॉक इन्वेस्ट आदि जारी करने सम्बन्धी परिपत्रों को शामिल किया है। प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा 20वें राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर विधि, न्याय और कम्पनी कार्य के माननीय मंत्री श्री एच. धार. भारद्वाज ने इस हस्तपुस्तिका का विमोचन किया।

7.4 ब्रोशर

'लेक्सपो-93' की संख्या पर 'व्हाई एंजेज ए कम्पनी सेक्रेटरी' ब्रोशर का प्रकाशन किया, जिसमें आई.सी.एस.आई. के उद्देश्यों और कार्यों, रोजगार ने कम्पनी सचिव का भूमिका तथा प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव द्वारा की जाने वाली विभिन्न प्रकार की सेवाओं का उल्लेख किया गया है।

7.5 निवेशक गाइडेंस माला

वि इन्वेस्टर एजुकेशन सीरीज I और II को अद्यतन किया तथा इनके संशोधित संस्करण अंग्रेजी और हिंदी दोनों में प्रकाशित किए गए।

7.6 प्रेक्टिसरत कम्पनी सचिव गाइड

इंस्टीट्यूट के प्रकाशन 'गाइड टू कम्पनी सेक्रेटरी इन प्रेक्टिस' को संशोधित किया गया तथा इस समीक्षाधीन वर्ष में इसे प्रकाशित किया।

8. विशेषज्ञ ग्रुप

8.1 विशेषज्ञ परामर्शी ग्रुप

सिक्किम उच्च न्यायालय के भूतपूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एम.एस. गुजराल को अध्यक्षता में पुनर्गठित विशेषज्ञ परामर्शी ग्रुप कम्पनी विधि, उद्योग (विकास तथा विनियम) अधिनियम, प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, एम.आर.टी.पी.एक्ट, फेरा और पूँजी बाजारों से संबंधित जटिल समस्याओं पर सदस्यों को विशेषज्ञ परामर्श देता रहा।

8.2 विशेषज्ञों का कोर ग्रुप

इस वर्ष अध्यक्ष महोदय ने कम्पनी विधि, पूँजी बाजार, निगम विधि, कराधान तथा लेखाकारों व वित्त के क्षेत्रों में विषय विशेषज्ञता के आधार पर विभिन्न कोर ग्रुपों का गठन किया। सरकार तथा अन्य संस्थानों द्वारा गठित सरकारो/स्टॉक एक्सचेंज(जों) समितियों/अध्ययन ग्रुपों में प्रतिनिधित्व को अन्तिम रूप देने के लिए सदस्यों/विशेषज्ञों से टिप्पणियाँ प्राप्त करने के लिए कोर ग्रुपों का गठन किया गया है। मुख्यालय में कोर ग्रुप की सहायता के लिए क्षेत्रीय स्तरों पर सदस्यों/विशेषज्ञों को टिप्पणी प्राप्त करने के लिए क्षेत्रीय समन्वयकर्ता भी नियुक्त किए गए हैं।

कोर ग्रुपों के आधार को विस्तार प्रदान करने के लिये विश्वविद्यालयों और अन्य जाने माने व्यावसायिक/शोध संगठनों के विशेषज्ञों तथा सम्बन्धित विषयों पर काम करने वाले केन्द्र सरकार के अधिकारियों को भी कोर ग्रुपों में शामिल किया गया है।

9. व्यवसाय को प्राप्त मान्यतायें

9.1 समीक्षाधीन वर्ष में वर्तमान क्षेत्रों में तथा निगम वित्त व्यवस्था, पूँजी बाजार एवं एस.ई.बी.आई.एस.एच.सी.आई.एल. आदि जैसे संस्थानों के नए क्षेत्रों में अनेक व्यावसायिक गतिविधियाँ देखने को मिलीं। इससे पूर्व के अध्यक्ष पी.टी. रंगामणि को प्रमुख बाजारों से संबंधित एस.ई.बी.आई. की सलाहकार समिति में नामित किया गया है तथा भूतपूर्व अध्यक्ष श्यामल सेन को इस वर्ष कम्पनी विधि सलाहकार बोर्ड में नामित किया गया है।

9.2 हमारे व्यवसाय में प्रेक्टिस वाले पक्ष को एस.ई.बी.आई. ने मान्यता प्रदान की है, जो इस व्यवसाय को प्रदत्त

महत्व का एक और प्रमाण है। प्रेसिडेंसरी कम्पनी सचिवों को एस.ई.वी.आई. प्रकटन तथा निदेशक संरक्षण मार्गनिर्देशों के अधीन पंजी निर्गम करने वाली द्वारा अनुपालन के बारे में अनुपालन प्रमाणपत्र जारी करने की मान्यता प्राप्त हो गई है। कम्पनी सचिव प्रमाणीकरण का काम प्रभावकारी ढंग से कर सके, इसे सुनिश्चित करने के लिए इस्टोड्यूट ने "ए गाइडेंस नोट आन एस.ई.वी.आई. गाइडलाइंस" का प्रकाशन किया है।

9.3 रिपोर्टाधीन वर्ष में कम्पनी सचिवीय व्यवसाय को प्राप्त मान्यताओं को इस रिपोर्ट के अनुबंध में शामिल किया गया है।

10. रोजगार के स्रस्र :

इस्टोड्यूट, चेंसर्स ऑफ कामर्स, व्यूरो ऑफ पब्लिक एंटरप्राइजेज और अन्य संस्थाओं के माध्यम से अपने सदस्यों द्वारा निर्भाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका का प्रचार करने का अपना प्रयास जारी रखे है। इस्टोड्यूट बैंकिंग विभाग के साथ भी अपना प्रयास जारी रख रही है कि बैंकों में सदस्यों के लिए कैरियर स्थापित करने में प्रगति हो सके और विभिन्न बैंकों के वित्त, लेखा, विधि और मर्चेन्ट बैंकिंग विभागों में हमारे सदस्यों की नियुक्तियां भी हो सकें। इस्टोड्यूट, इसकी क्षेत्रीय परिषदों और शाखाएं रोजगार सेवा योजना के अंतर्गत कम्पनियों को नौकरी के लिए सदस्यों की सूची भेज कर रोजगार सेवाएं प्रदान करने का काम जारी रखे हैं। इस वर्ष इस्टोड्यूट द्वारा रोजगार सेवा योजना के अंतर्गत रखी गई उम्मीदवारों की सूची में से 148 कम्पनियों ने उपयुक्त उम्मीदवारों की सूची प्राप्त करने की सुविधा का लाभ उठाया। इन कम्पनियों को चार्टर्ड सेक्रेटरी में विज्ञापन देने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, ताकि उन्हें और अधिक उम्मीदवारों की सूची मिल सके।

11. इक्कीसवीं राष्ट्रीय सम्मेलन और द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

परिषद् के इस निर्णय के अनुसार लिया है कि प्रति वर्ष अक्टूबर/नवंबर में राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाए, इस वर्ष 14 से 16 अक्टूबर, 1993 तक इक्कीसवीं राष्ट्रीय सम्मेलन और दूसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन मद्रास में रखने का फैसला किया है।

12. विद्यार्थी सेवाएं

12.1 विद्यार्थियों का पंजीकरण

रिपोर्टाधीन वर्ष में इस्टोड्यूट द्वारा 13,615 विद्यार्थी पंजीकृत किए गए जबकि पिछले वर्ष 13,613 विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ था। इस वर्ष के अन्त में वर्तमान पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या 60,081 थी, जिसमें विनियम 21(3) के अधीन बढ़ाए गए रजिस्ट्रेशन भी शामिल हैं। पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या तथा जिन्होंने इण्टरमीडिएट और फाइनल परीक्षाएं उत्तीर्ण कर ली है, उनके बारे में आंकड़े इस रिपोर्ट के परिशिष्ट 'ड' में दिया गया है।

12.2 शिक्षण

इस वर्ष पंजीकृत सभी विद्यार्थियों के नाम अनिवार्यतः डाक द्वारा शिक्षण के लिए दर्ज किये गये। इस वर्ष कुल 13,319 शिक्षण समापन प्रमाणपत्र जारी किए गए और 1,18,436 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया और विद्यार्थियों को वापस भेजी गई। इस वर्ष के दौरान विद्यार्थियों की सेवा से संबंधित क्रियाकलापों के विकेन्द्रीकरण के लिए पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद् को छोड़कर सभी क्षेत्रीय परिषदों ने इण्टरमीडिएट पाठ्यक्रम की उत्तर-पुस्तिकाओं के स्थानीय मूल्यांकन की सुविधा प्रदान की। दक्षिणी भारत क्षेत्रीय परिषद् ने फाइनल पाठ्यक्रम की उत्तर पुस्तिकाओं के स्थानीय मूल्यांकन की भी सुविधा प्रदान की। आशा है कि पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद् शीघ्र ही उत्तर पुस्तिकाओं के स्थानीय मूल्यांकन की सुविधा शुरू करेगी।

12.3 अध्ययन सामग्री को अद्यतन करना

इस वर्ष सभी विषयों की अध्ययन सामग्री को संशोधित करने का काम पूरा किया गया। उच्च सचिवीय पद्धति (आर्थिक और अन्य विधानों के सम्बन्ध में) तथा आर्थिक और अन्य विधान विषयों में पूर्णतः संशोधन किया, क्योंकि इनसे सम्बन्धित कानूनों में विभिन्न प्रकार के संशोधन हुए हैं।

12.4 मार्गदर्शी उत्तर तथा विषय-क्रम में प्रश्नों की तैयारी

विद्यार्थियों के लाभ के लिए जून 1992 और दिसम्बर 1992 की परीक्षाओं के मार्गदर्शी उत्तर ग्रुप-क्रम में प्रकाशित किए गए। इस वर्ष इण्टरमीडिएट और फाइनल परीक्षाओं के सभी विषयों पर विषय-क्रम के प्रश्न भी प्रकाशित कर दिए गए हैं।

12.5 मौखिक शिक्षण केन्द्रों की स्थापना

इस वर्ष दो नए मौखिक शिक्षण केन्द्र बहरामपुर (गंजम) और मलाड (बम्बई) में खोले गए। इस प्रकार समीक्षाधीन वर्ष में इस्टोड्यूट द्वारा मान्यताप्राप्त 35 मौखिक शिक्षण केन्द्र चल रहे थे।

12.6 स्टुडेंट कम्पनी सेक्रेटरी

इस्टोड्यूट कम्पनी सचिवीय पाठ्यक्रम का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लाभ के लिए स्टुडेंट कम्पनी सेक्रेटरी बुलेटिन नियमित रूप में प्रकाशित करता है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नवीनतम विधि सम्बन्धी संशोधनों की जानकारी देने हुए, उनके अध्ययन को अद्यतन बनाना और विद्यार्थी सेवाओं की प्रशामन तथा प्रेक्टिकल प्रशिक्षण आवश्यकताओं के सम्बन्ध में सूचना प्रदान करना है।

12.7 आडियो टेपों पर लेक्चर

निम्नलिखित विषयों पर दो और बोडियो टेप तैयार की गई जिन्हें विद्यार्थियों और सदस्यों को रियायती दर पर बेचा जा रहा है :

- (i) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का परिचय, और
- (ii) व्यापार वित्त विधि—II के कुछ महत्वपूर्ण पहलू;

इन सभी का अलग-अलग लिप्यंतरण भी प्रकाशित किया गया है, जिनमें केशों और सुसंगत कानूनी उपबन्धनों को भी दिया गया है। इन ग्राडियों टेपों के सम्बन्ध में विद्यार्थियों तथा सदस्यों की ओर से उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया मिली है।

12.8 समीक्षाधीन वर्ष में राउरकेला और विजयवाड़ा में दो नए ग्रानुपंगिक पुस्तकालय खोले। चार क्षेत्रीय कार्यालयों में प्रायोगिक तौर पर एक पुस्तकालय की जो योजना शुरू की गई थी, उसे बंद करना पड़ा क्योंकि इसने वांछित परिणाम प्राप्त नहीं हुए। सूरत और नोयडा—इन दो नई शाखाओं में भी ही पुस्तकालय खोले जाएंगे।

12.9 मुख्यालय का पुस्तकालय

इंस्टीट्यूट अनुसंधान और संवर्धन प्रयोजन के लिए अपने मुख्यालय में भी एक पुस्तकालय चला रहा है।

12.10 कैरियर परामर्श कार्यक्रम

इंस्टीट्यूट तथा इस वर्ष क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं में कई कैरियर परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए। कम्पनी सेक्रेटरीशिप पाठ्यक्रम के बारे में कैरियर परामर्श के लिए “कम्पनी सेक्रेटरीशिप कैरियर” ब्रोशर सहित आवश्यक साहित्य विभिन्न कालेज और संस्थानों के विद्यार्थियों और अन्य लोगों में वितरित किया। अनेक समाचारपत्रों और व्यावसायिक पत्रिकाओं में लेख भी प्रकाशित किए गए। इसके अलावा आकाशवाणी और दूरदर्शन से बातों का प्रसारण किया गया। पाठ्यक्रम के बारे में आवश्यक सूचना देश भर में सभी विष्वविद्यालय/रोजगार सूचना और मार्गदर्शी व्यूरों को भी दी गई। इन प्रयासों का उद्देश्य कम्पनी सचिव व्यवसाय के बारे में और अधिक जागरूकता पैदा करना रहा है।

12.11 कम्पनी सचिवीय—अध्ययन और परीक्षा गाइड

विद्यार्थियों को कम्पनी सचिव की परीक्षाओं के लिए अध्ययन और तैयारी करने के लिए मार्गनिर्देशन के लिए विद्यार्थियों के वास्ते एक पुस्तक “ए गाइड टू कम्पनी सेक्रेटरीशिप—स्टडी एंड एग्जामिनेशन” प्रकाशित की गई है। विद्यार्थियों को सेवा प्रदान करने के अंश के रूप में। 1 जुलाई, 1992 के बाद कम्पनी सेक्रेटरीशिप पाठ्यक्रम के लिए जो विद्यार्थी पंजीकरण कराते हैं, उन सभी को यह पुस्तक नि:शुल्क दी जाती है।

13. परीक्षाएं

13.1 परीक्षाओं का आयोजन

समीक्षाधीन वर्ष में इंस्टीट्यूट ने जून और दिसम्बर 1992 में देश भर में 36 केन्द्रों में तथा एक केन्द्र दुबई में कम्पनी सचिव की परीक्षाएं आयोजित कीं। जून 1992 में, इंटरमीडिएट परीक्षा में 493 और फाइनल परीक्षा में 346 परीक्षार्थियों ने परीक्षा पास की जबकि दिसम्बर 1992 में ऐसे परीक्षार्थियों की संख्या क्रमशः 352 और 274 रही। वर्तमान परीक्षा केन्द्रों की सूची परिशिष्ट “छ” में दी गई है।

13.2 परीक्षा सम्बन्धी आंकड़े

जून और दिसम्बर 1992 की परीक्षाओं में कितने परीक्षार्थी बैठे और उत्तीर्ण हुए परीक्षार्थियों की प्रतिभाशक्ती से सम्बन्धित आंकड़े इस रिपोर्ट के परिशिष्ट “छ” में दिए गए हैं।

13.3 परीक्षाओं में हिन्दी माध्यम

कम्पनी सचिव परीक्षाओं में हिंदी के प्रयोग प्रयोग की परिपक्व की इच्छा के अनुसरण में इंस्टीट्यूट ने अपनी सभी परीक्षाओं के लिए हिन्दी के उपयोग को वैकल्पिक माध्यम के रूप में अनुमति दे दी है।

13.4 अखिल भारतीय पुरस्कार

जून 1992 और दिसम्बर 1992 में हुई फाइनल परीक्षाओं में गानधार प्रदर्शन के लिए दोनों प्रेजीडेंट स्वर्ण मेडल उत्तरी क्षेत्र के श्री जितेन्द्र कुमार और दक्षिण क्षेत्र में श्री के. रविचन्द्रन ने संयुक्त रूप से जीते। पं. नेहरू जन्म शताब्दी का वार्षिक पुरस्कार दक्षिण क्षेत्र के श्री एस. सुब्रह्मण्यम ने प्राप्त किया। जून तथा दिसम्बर 1992 में हुई इंटरमीडिएट परीक्षाओं में प्रतिभाशक्ती प्रदर्शन के लिए प्रेजीडेंट रजत मेडल क्रमशः पूर्वी क्षेत्र के श्री राजकुमार गर्मा और उत्तरी क्षेत्र के श्री प्रभात गुप्ता ने जीते। इसके अलावा वर्तमान अखिल भारतीय पुरस्कार और क्षेत्रीय पुरस्कार विजेताओं के विवरण “स्टूडेंट कम्पनी सेक्रेटरी” बुलेटिन में प्रकाशित किए गए।

13.5 योग्यता प्रमाण पत्र

प्रतिभाशक्ती विद्यार्थियों को योग्यता का मान्यता प्रदान करने और उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए जून तथा दिसम्बर, 1992 में हुई इंटरमीडिएट तथा फाइनल परीक्षाओं में प्रथम दस रैंक करने वाले परीक्षार्थियों की योग्यता प्रमाणपत्र प्रदान किए और उनके विवरण “चार्टर्ड सेक्रेटरी” जर्नल तथा “स्टूडेंट कम्पनी सेक्रेटरी बुलेटिन” में प्रकाशित किए गए।

13.6 विद्यार्थियों का छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता

वर्तमान योग्यता (मेरिट) छात्रवृत्ति योजना के अनुसार जून 1992 और दिसम्बर 1992 परीक्षाओं के प्रत्येक सत्र में योग्य पाए गए प्रतिभाशक्ती विद्यार्थियों को क्रमशः दस और ग्यारह छात्रवृत्तियां दी गईं। इसी प्रकार योग्यता व वित्तीय सहायता योजना के अन्तर्गत परीक्षा में योग्य पाए गए परीक्षार्थियों को वित्तीय सहायता मंजूर की।

14. प्रबंध/प्रैक्टिकल/प्रशिक्षु प्रशिक्षण :

14.1 सूचीकरण

समीक्षाधीन वर्ष में प्रबन्ध प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 115 कम्पनियों को तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 111 कम्पनियों को मान्यता प्रदान की गई।

इसके अलावा पूर्णकालिक प्रैक्टिस कर रहे 20 कम्पनी सचिवों को प्रशिक्षण प्रशिक्षण के लिए पंजीकृत किया गया। पूर्णकालिक प्रैक्टिस कर रहे पाँच सचिवों के नाम सूची में से हटा दिए। प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भाग्यताप्राप्त कम्पनियों और प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए दर्ज किए गए कम्पनी सचिवों की कुल संख्या तथा विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रायोजित विद्यार्थियों की संख्या सम्बन्धी आंकड़े इस रिपोर्ट के परिशिष्ट 'ज' में दिए गए हैं।

14.2 प्रशिक्षण को मानीटर करना और मजबूत बनाना

लगातार प्रयास करने के फलस्वरूप जब पर्याप्त पूर्ण-कालिक प्रैक्टिसरत कम्पनियाँ/कम्पनी सचिव उपलब्ध हैं, जो इण्टरमीडिएट/फाइनल में उतीर्ण विद्यार्थियों को प्रशिक्षण/प्रशिक्षण देते हैं।

14.3 सचिवीय माइयूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस वर्ष के दौरान 18 सचिवीय माइयूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें से दो कार्यक्रम पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद्, तीन-तीन कार्यक्रम उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद् और दक्षिणी भारत क्षेत्रीय परिषद् ने और चार कार्यक्रम पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद् एवं एक-एक कार्यक्रम चण्डीगढ़, जयपुर, बंगलौर, हैदराबाद, अहमदाबाद और पुणे शाखाओं ने आयोजित किए। इन सब में कुल 527 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

इस वर्ष के दौरान सचिवीय माइयूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम के चार माइयूलों/पाठ्यक्रमों की सामग्री के संशोधन का कार्य प्रारम्भ हुआ ताकि इसमें विभिन्न विधायी और अन्य परिवर्तनों को शामिल किया जा सके। इसके अलावा केस अध्ययन, समूह-चर्चा, श्रव्य-दृश्य साधनों के उपयोग पर और और देकर, स्टॉक एक्सचेंजों, शेयर विभागों, ई.डी.पी. केन्द्रों और ए.जी.एम. आदि केन्द्रों में जाकर मुख्य कार्यालय के अधिकारियों ने भी इन कार्यक्रमों में भाग लिया ताकि इन्हें और प्रभावी एवं रोचक बनाया जा सके।

15. लेख

15.1 आय और व्यय लेखा

इस वर्ष के आय और व्यय लेख के वित्तीय परिणाम देखने से पता चलता है कि इस वर्ष 41.20 लाख रुपए का अधिशेष रहा जबकि पिछले वर्ष यह अधिशेष 1.74 लाख रुपए का था। अधिशेष में वृद्धि मुख्य रूप से 1 जुलाई, 1992 से विद्यार्थी-शुल्क ढाँचे में संशोधन करने के कारण सम्भव हुई।

15.2 शुल्क का पूंजीकरण

वर्तमान प्रचलित पद्धति के अनुसार एसोसिएट और फेलो सदस्यों से प्राप्त 1.81 लाख रुपए के प्रवेश शुल्क को पूंजीकृत कर दिया है। वर्ष के अंत में पूंजीकृत रिजर्व राशि 28.72 लाख रुपए है, जो पिछले वर्ष 26.91 लाख रुपए थी।

15.3 सावधि जमा रिजर्व

वर्तमान पद्धति के अनुसार भवन निर्माण के लिए प्राप्त दान की 0.13 लाख रुपए की राशि को सीधे 'सावधि जमा रिजर्व' खाने में विनियोजित कर दिया है। निर्माणाधीन आई.सी.एस.आई.—एन.आई.आर.सी. और शाखाओं के भवनों के निर्माण के कारण पूंजी भुगतान में अत्यधिक वृद्धि हुई है; वे भवन निर्माणाधीन हैं। अतः सावधि जमा खाने की 3.89 लाख रुपए की सम्पूर्ण राशि का उपयोग किया गया और उसे सामान्य रिजर्व में अन्तर्गत कर दिया। उक्त राशि को छोड़कर भूमि-अधिग्रहण और भवन निर्माण के लिए खर्च की गई 44.51 लाख रुपए की शेष सम्पूर्ण राशि को सामान्य रिजर्व में लिखा गया।

15.4 सामान्य रिजर्व

पिछले वर्ष जो सामान्य रिजर्व का 229.07 लाख रुपए था, वह अब बढ़ कर 289.18 लाख रुपए हो गया है। इस राशि में रिपोर्टींग के लिए व्यय से अधिक आय का 41.20 लाख रुपए का अधिशेष भी शामिल है।

16. लेखापरीक्षा

कम्पनी सचिव अधिनियम की धारा 18(4) के अनुसारण में मैसर्स खन्ना एण्ड अन्नाधनम, चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स, नई दिल्ली को 31 मार्च, 1993 को समाप्त वर्ष के लेखों की लेखा-परीक्षा के लिए नियुक्त किया। लेखापरीक्षा की रिपोर्ट लेखा-विवरण के साथ यहाँ प्रकाशित की गई है।

17. भूमि और भवन

17.1 आई.सी.एस.आई.—उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद् भवन

आई.सी.एस.आई.—एन.आई.आर.सी. भवन परियोजना का निर्माण कार्य समाप्त होने की अवस्था में पहुँच गया है और अगस्त, 1993 के अन्त तक पूरा होने की संभावना है।

17.2 आई.सी.एस.आई.—डब्ल्यू.आई.भार.सी. भवन

बहुत प्रयास करने के बाद इंस्टीट्यूट डब्ल्यू.आई.आर.सी. का निगम शोध प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने के लिए नवीन बम्बई के केन्द्रीय व्यापार क्षेत्र में सी.आई.डी.सी.ओ. से 1975 वर्गमीटर भूमि प्राप्त कर सकी है, जिसकी पट्टे की कुल राशि 26.55 लाख रुपये होगी। यह पूरा भुगतान कर दिया है, अतः सी.आई.डी.सी.ओ. से भूमि का कब्जा लेने की कार्रवाई चल रही है।

17.3 गोआ शाखा कार्यालय परिसर

गोआ शाखा ने पणजी में नवनिर्मित प्लेट का कब्जा ले लिया है और 10 अक्टूबर, 1992 को इस भवन का उद्घाटन किया गया।

17.4 हैदराबाद शाखा कार्यालय परिसर

शाखा ने शिक्षण कक्षाएं/कार्यक्रम आयोजित करने/सदस्यों की बैठकें करने के लिए वर्तमान भवन परिसर में एक व्याख्यान मंचागार का निर्माण किया है, जिस पर 2.56 लाख रुपये की लागत आई है।

17.5 इंस्टीट्यूट द्वारा पूंजीगत अनुदान और ऋण

परिषद् ने इंस्टीट्यूट के सीमित साधनों में से क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को अब तक 108.36 लाख रुपये का अनुदान और 25.82 लाख रुपये का ऋण दिया है। इन परिषदों/शाखाओं ने 217.81 लाख रुपये मूल्य के कार्यालय परिसरों का अधिग्रहण कर लिया है या अधिग्रहण की प्रक्रिया में है। आई.सी.एस.आई.—एन.आई.आर.सी. भवन परियोजना/आई.सी.एस.आई.—डब्ल्यू.आई.आर.सी. की सी.सी.आर.टी. परियोजना की वित्त-व्यवस्था इंस्टीट्यूट तथा उसके सम्बद्ध क्षेत्रीय परिषदों ने संयुक्त रूप से की है। शाखाओं ने अपनी भवन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए शेष राशि जुटाने के लिए अपनी व्यवस्था स्वयं की है या कर रही है। परिषद् इन शाखाओं की सहायता करती है जिन्होंने अपने कार्यालय परिसरों के अधिग्रहण के लिए प्रयास किया है। इन शाखाओं को इन परिसरों के अनुरक्षण तथा सुसज्जित करने और आधुनिक कार्यालय उपस्कर प्राप्त करने के लिए भी अतिरिक्त साधन जुटाने होंगे, ताकि स्थानीय सदस्यों और बेहतर सेवाएं दी जा सकें।

18. कम्पनी सचिव हितकारी निधि

1976 में परिषद् द्वारा सोसाइटी के रूप में पंजीकृत की गई कम्पनी सचिव हितकारी निधि के अब 31 मार्च, 1993 को 1309 आजीवन सदस्य हैं। निधि के उपनियमों में किए गए संशोधन के अनुसार सदस्य 500 रुपये का शुल्क दे कर आजीवन सदस्य बन सकते हैं। निधि में पूंजीगत रिजर्व और सामान्य रिजर्व की राशि 31 मार्च, 1993 को क्रमशः 6.17 लाख और 4.96 लाख रुपये है।

19. कर्मचारी कल्याण उपाय

आई.सी.एस.आई. एम्प्लॉइज क्लब को 1973 में कल्याण के एक उपाय के रूप में बनाया गया था, जिसे इसकी गति-विधियों के लिए परिषद् से वित्तीय सहायता दी गई। इस वर्ष के दौरान कर्मचारियों को स्कूटर खरीदने, मकान निर्माण आदि के लिए 3.58 लाख रुपये की पेशगियां मंजूर की गईं। कर्मचारियों को उनके सहकारी बचत तथा ऋण सोसाइटी और सहकारी ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी में सहायता करने के अलावा परिषद् ने आई.सी.एस.आई. कर्मचारी कल्याण निधि के संवर्धन में भी सहायता की, जिसके लिए पिछले सात वर्षों

में हुए वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलनों की अधिशेष राशि से प्रत्येक वर्ष 10,000 रुपये का वार्षिक अनुदान दिया गया है।

20. सचिव की सेवानिवृत्ति

श्री टी.पी. सुब्बारमन इंस्टीट्यूट में लगातार 22 वर्ष तक सचिव के पद पर बने रहकर 28 फरवरी, 1993 को सेवा-निवृत्त हो गए। इंस्टीट्यूट ने उन्हें भाव-भीनी विदाई देने के लिए एक विदाई समारोह आयोजित किया। इस समारोह में अनेक लोगों ने भाग लिया और श्री सुब्बारमन के प्रसन्न तथा शान्तिपूर्ण जीवन बिताने की कामना की। इंस्टीट्यूट के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा इंस्टीट्यूट की ओर से उन्हें स्मारक के रूप में उपहार भेंट किए गए।

21. आभार

परिषद् केन्द्रीय सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों, विशेष रूप से कम्पनी कार्य विभाग और भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड के प्रति उनके द्वारा इस वर्ष व्यवसाय को मार्गदर्शन प्रदान करने और इंस्टीट्यूट की गतिविधियों के विकास में अपना समर्थन देने के लिए आभार प्रगट करती है। परिषद् विभिन्न राज्य सरकारों, वित्तीय और औद्योगिक तथा निवेशक संस्थानों, सामान्य रूप से निगम क्षेत्र और देश के विभिन्न चैम्बर्स ऑफ़ कामर्स और ट्रेड एसोसिएशनों तथा अन्य एजेंसियों का भी आभार प्रकट करती है, जिन्होंने इंस्टीट्यूट के सदस्यों की सेवाएं लेने में और निगम विधि, वित्त, प्रबंध तथा मन्वज क्षेत्रों में इनकी विशेषज्ञता को मान्यता प्रदान की है। परिषद्, क्षेत्रीय परिषद् और इनकी शाखाओं तथा इंस्टीट्यूट के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति अपनी गहन सहायता प्रस्तुत करती है, जिन्होंने इस रिपोर्टींग वर्ष में बड़ी निष्ठा से और कर्तव्य की भावना से काम किया।

कुते इंस्टीट्यूट ऑफ़ कम्पनी
सेक्रेटरीज ऑफ़ इंडिया की परिषद्,
ह०/—

(महेश शाह)

अध्यक्ष

नई दिल्ली

24-8-1993

परिशिष्ट "क"

स्थायी और अस्थायी समितियां तथा सलाहकार ग्रुप का
गठन

I स्थायी समितियां

1. अनुशासन समिति

महेश शाह
आर. डी. जोशी
के.आर. चन्नावे

प्रध्यक्ष
सदस्य
सदस्य

2. परीक्षा समिति
यू.के. चौधरी अध्यक्ष
त्रिपिन एस. आचार्य सदस्य
एम.एस. राघवन सदस्य
3. कार्यकारी समिति
महेश शाह अध्यक्ष
यू.के. चौधरी सदस्य
आर. डी. जोशी सदस्य
ए.के. मोदी सदस्य
पी.टी. रंगामणि सदस्य
- II. अस्थायी समितियाँ
4. व्यवसायिक विकास समिति
महेश शाह अध्यक्ष
त्रिपिन एस. आचार्य सदस्य
ओ.पी. दानी सदस्य
आर. कृष्णन सदस्य
टी.बी. पद्मनाभन सदस्य
प्रमोद एस. शाह सदस्य
5. प्रशिक्षण तथा शिक्षा सुविधा समिति
यू.के. चौधरी अध्यक्ष
ए.के. मोदी सदस्य
डी. पुर्लिया सदस्य
पी.टी. रंगामणि सदस्य
ए.के. सेन सदस्य
हरीश के. वैद सदस्य
6. विनियमन समिति
महेश शाह अध्यक्ष
के.आर. चन्द्रावत सदस्य
एम.एस. राघवन सदस्य
हरीश के. वैद सदस्य
7. समन्वय समिति (आई.सी.ए.आई. तथा आई.सी. डब्ल्यू.ए.आई. के साथ समन्वय के लिए)
महेश शाह अध्यक्ष
ओ.पी. दानी सदस्य
8. आई.सी.एस.आई.—उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद् भवन समिति
बी.के. पोद्दार अध्यक्ष
वीरेन्द्र गण्डा (अध्यक्ष, एन.आई. आर.सी.) उपाध्यक्ष
यू.के. चौधरी सदस्य
ओ.पी. दानी सदस्य
हरीश के. वैद सदस्य
सुनील गोयल सदस्य
अशोक हलदिया सदस्य
एन.के. जैन सदस्य
परमजीत सिंह सदस्य
आर. राजगोपालन (उपाध्यक्ष, एन.आई.आर.सी.) सदस्य
जी. रामनाथन (कोषाध्यक्ष, एन.आई.आर.सी.) सदस्य
9. सलाहकार बोर्ड/ग्रुप संपादकीय सलाहकार बोर्ड
आर.एन. बंसल अध्यक्ष
बी.भवानी सदस्य
बलीप गोस्वामी सदस्य
टी.एस. कृष्णामूर्ति सदस्य
आर.के. पाण्डे सदस्य
ए.आर. रामनाथन सदस्य
प्रमोद एस. शाह सदस्य
डा.एस.पी. नारंग सदस्य
संपादक और प्रकाशक
10. विशेष सलाहकार ग्रुप
जस्टिस एम.एस. गुजराल अध्यक्ष
(सेवा निवृत्त) सदस्य
एस.एस. कुमार सदस्य
आर.एन. बंसल सदस्य

परिशिष्ट 'ख'

क्षेत्रीय परिषदों की वित्तीय स्थिति और प्रत्येक क्षेत्र में विद्यार्थियों तथा सदस्यों की संख्या

		क्षेत्रीय परिषदें			
		पूर्वी भारत क्षे. प.	उत्तरी भारत क्षे. प.	दक्षिणी भारत क्षे. प.	पश्चिमी भारत क्षे. प.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
(क) वित्तीय स्थिति वर्ष 1992-93 में अधिशेष (रुपये)		86,143	2,08,226	1,12,865	1,87,463
31-3-93 को रिजर्व और अधिशेष रु.		6,85,792	12,00,699	11,83,872	6,09,779

1	2	3	4	5	6
(ख) विद्यार्थियों और सदस्यों की संख्या :—					
	विद्यार्थी				
	31-3-93 को	11,800	16,300	17,430	14,479
	31-3-92 को	10,907	15,014	15,780	13,681
	सदस्य				
	31-3-93 को	1,166	2,163	2,365	3,154
	31-3-92 को	1,182	2,034	2,125	2,966

परिशिष्ट—ग

सदस्यों संबंधी आंकड़ों की तालिका
भाग I—सदस्यों में वृद्धि

कुल संख्या					पिछले वर्ष की तुलना में वार्षिक वृद्धि
वर्ष	एयोमिएट सदस्य	फैलो सदस्य	कुल (2+3)	सकल	प्रतिशत
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
क. 1987-88	4947(78.09)	1388(21.91)	6335(100)	395	6.65
1988-89	5179(77.66)	1490(22.34)	6669(100)	334	5.27
1989-90	5657(77.95)	1600(22.05)	7257(100)	568	8.81
1990-91	6095(77.91)	1728(22.09)	7823(100)	566	7.79
1991-92	6364(76.61)	1943(23.39)	8307(100)	484	5.82
1992-93	6789(76.73)	2059(23.27)	8848(100)	541	11.77
ख 1987-88 से 1992-93 तक सकल परिवर्तन	1842(73.29)	671(26.71)	2513(100)	—	—
ग. 1987-88 से 1992-93 तक प्रतिशत परिवर्तन	37.23	48.34	39.67	—	—
घ. औसत वार्षिक वृद्धि दर प्रतिशत	7.5	9.67	7.93	—	—

टिप्पणी:—कोष्ठक में दिए गए आंकड़े प्रतिशत में हैं।

परिशिष्ट—ग

रजिस्टर में से निकाले गए			कुल सदस्यों में से निकाले गए सदस्यों का प्रतिशत	प्रेक्षित प्रमाण पत्र धारकों की संख्या	कुल सदस्यों में से प्रेक्षित प्रमाण पत्र धारकों का प्रतिशत
भुगतान न करने के कारण	मुख्य के कारण	कुल (7+8)	10	11	12
(7)	(8)	(9)			
76(86.36)	12(13.64)	88(100)	1.39	1065	16.81
196(92.02)	17(7.98)	213(100)	3.19	1192	17.87
100(91.74)	9(8.26)	109(100)	1.50	1225	16.88
116(89.92)	13(10.08)	129(100)	1.64	1188	15.19
154(90.58)	16(9.42)	170(100)	2.05	1102	13.26
88(88.65)	11(11.35)	97(100)	1.09	609	6.88
		9			
		10.23			
		2.05			

परिशिष्ट -- ग

भाग - II—प्रेमिटस प्रमाण पत्र धारी मद्यियों में वृद्धि

वर्ष	प्रार्थी	नर्दीकरण	रु०	निकल वृद्धि	31 मार्च को कुल प्रेमिटस प्रमाणपत्र धारी मद्यियों का संख्या
					वर्ष के दौरान
1	2	3	4	5	6
क. 1987-88	247	818	61	186	1065
1988-89	258	934	131	127	1192
1989-90	122	1103	89	33	1225
1990-91	135	1053	216	37	1188
1991-92	105	997	209	85	1102
1992-93	82	527	639	593	609
ख. सकल परिवर्तन 1987-88 से 1992-93					—456
ग. प्रतिशत परिवर्तन 1987-88 से 1992-93 तक					—42.81
घ. औसत वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत)					—8.56

परिशिष्ट -- घ

सम्मेलन/सेमिनार/व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

- 23-24 मई, 1992 को दिल्ली में प्रेमिटस मद्य कंपनियों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम।
- 22-23 जुलाई, 1992 को कोलकाता में आई.सी.एस.आई.डी.पी.ई. द्वारा "सरकारी कंपनियों से संबंधित प्रवर्धक और कार्मिक पक्ष" विषय पर संयुक्त रूप से व्यावसायिक विकास कार्यक्रम।
- 31 अगस्त से 4 सितम्बर, 1992 तक नई दिल्ली में "केन्द्रीय उत्पाद शुल्क--विधि और प्रक्रिया" विषय पर अभिविव्यास कार्यक्रम।
- 18-19 सितम्बर, 1992 को कोलकाता में आई.सी.एस.आई.डी.पी.ई. द्वारा "निगम विपणन और विधि के पक्ष" विषय पर संयुक्त रूप से व्यावसायिक विकास कार्यक्रम।
- 16-17 अक्टूबर, 1992 को नई दिल्ली में "उदयमान पूंजी बाजार" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार।
- 12-14 नवम्बर, 1992 को कोलकाता में "उदारीकृत अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण" पर 20वां राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- 29 मार्च, 1993 को मद्रास में "विदेशी मुद्रा वित्तिय वित्तियम 1993--नवीनतम परिवर्तनों के कारण पैदा उलझने और आवेश विषय पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम।

परिशिष्ट -- ङ

विद्यार्थियों सम्बन्धी आंकड़े

पंजीकृत विद्यार्थियों तथा इण्टरमीडिएट और फाइनल परीक्षाएं उत्तीर्ण कर लेने वाले विद्यार्थियों व प्रशिक्षण दे रही कंपनियों की संख्या के संबंध में विवरण 1987-88 से 1992 तक।

वर्ष	पंजीकृत विद्यार्थी		वर्तमान उत्तीर्ण विद्यार्थी	
	कुल	वर्तमान	इण्टरमीडिएट	फाइनल
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
क. 1987-88	134667	50519	1394	646
1988-89	145061	51459	1234	824
1989-90	157175	52315	1151	779
1990-91	169337	50860	709	908
1991-92	182950	55442	901	449
1992-93	196565	60081	845	620
ख. सकल परिवर्तन (1987-88 से 1992-93 तक)	61898			
ग. प्रतिशत परिवर्तन (1987-88 से 1992-93 तक)	45.96			
घ. औसत वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत)	9.19			

परिशिष्ट—ब

परिशिष्ट—छ

वर्तमान परीक्षा केन्द्रों की सूची

1. अहमदाबाद
2. इलाहाबाद
3. बंगलौर
4. बड़ौदा
5. भोपाल
6. भुवनेश्वर
7. बम्बई-I
8. बम्बई-II
9. कलकत्ता-I
10. कलकत्ता-II
11. चंडीगढ़
12. कोयम्बटूर
13. दिल्ली
14. एरणाकुलम
15. गाजियाबाद
16. गुवाहाटी
17. हैदराबाद
18. इन्दौर
19. जयपुर
20. जम्मू
21. जमशेदपुर
22. जोधपुर
23. कानपुर
24. लखनऊ
25. मद्रास
26. मसूरई
27. संगलीर
28. नागपुर
29. पणजी
30. पटना
31. पाण्डिचेरी
32. पुणे
33. शिमला
34. तिरुवनन्तपुरम
35. त्रिचुरापल्ली
36. विशाखापत्तनम
37. विदेश में केन्द्र : बुनई

परीक्षाओं में बैठने तथा उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या के आंकड़े

I—जून, 1992 का सत्र

परीक्षा	बैठे	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
प्रारम्भिक (प्रीलिमिनरी)	68	7	10.29
इण्टरमीडिएट*			
ग्रुप I	2926	593	20.26
ग्रुप II	4201	833	19.83
फाइनल**			
ग्रुप I	851	373	43.83
ग्रुप II	946	423	44.71
ग्रुप III	1196	409	34.19

*दोनों ग्रुपों में 1201 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में 78 ने परीक्षा पास की (6.49 प्रतिशत)

**सभी ग्रुपों में 207 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से सभी ग्रुपों में 22 ने परीक्षा पास की (10.62 प्रतिशत)

II—दिसम्बर 1992 का सत्र

परीक्षा	बैठे	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
प्रारम्भिक (प्रीलिमिनरी)	63	2	3.17
इण्टरमीडिएट*			
ग्रुप-I	3025	372	12.30
ग्रुप-II	4566	545	11.94
फाइनल*			
ग्रुप-I	846	244	28.84
ग्रुप-II	1030	414	40.19
ग्रुप-III	1356	286	21.10

*दोनों ग्रुपों में 1444 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में 51 ने परीक्षा पास की (3.53 प्रतिशत)

**सभी ग्रुपों में 213 परीक्षार्थी बैठे जिनमें से सभी ग्रुपों में 31 ने परीक्षा पास की (14.55 प्रतिशत)।

परिशिष्ट -- ज

विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के आँकड़े

क्रम सं.	प्रशिक्षण	31 मार्च को सम्पन्न प्राप्त कम्पनियों की संख्या					31 मार्च को समाप्त वर्ष के दौरान प्रायोजित विद्यार्थियों की संख्या				
		1989	1990	1991	1992	1993	1989	1990	1991	1992	1993
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)
1.	प्रबन्ध प्रशिक्षण	371	460	548	613	728	170	125	129	123	192
2.	प्रैक्टिकल प्रशिक्षण	762	850	957	1035	1146	542	519	664	625	518
3.	प्रैक्टिसरन कम्पनी भविष्य के साथ प्रशिक्षण	67	86	101	125	140	90	82	68	87	96

खरना एंड प्रसाधनम
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

706, आकाशवीप
26ए, बाराखम्बा रोड,
पो० बाक्स सं. 648,
नई दिल्ली-110001

लेखापरीक्षा की रिपोर्टें

हमने इन्स्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इण्डिया के 31 मार्च, 1993 के तुलन-पत्र तथा इसके साथ संलग्न उसी तारीख को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखों का परीक्षण भी किया है और हमारी रिपोर्टें इस प्रकार हैं :

- (क) हमें वरु सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए, जो हमें अपेक्षित जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए प्राप्त करने आवश्यक थे ।
- (ख) रिपोर्ट का संदर्भाधीन तुलन-पत्र और आय एवं व्यय लेखों रखी गई लेखा पुस्तकों और रिकार्डों से मेल खाते हैं ।
- (ग) हमारी राय में और जहाँ तक हमारी जानकारी है तथा प्रस्तुत किए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार निम्नलिखित के बारे में ये लेख सही और पर्याप्त स्पष्ट स्थिति प्रगट करते हैं :
- (i) इन्स्टीट्यूट के मामलों से संबंधित 31 मार्च, 1993 को समाप्त अवधि के तुलन-पत्र के बारे में स्थिति ।
- (ii) उपर्युक्त तारीख को समाप्त वर्ष के आय व व्यय लेखों में अधिशेष से संबंधित स्थिति ।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 24-08-93

कुते खरना एंड प्रसाधनम
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स
ह०
(जे. प्रार. नारंग)
पाटनर

इन्स्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इण्डिया
31 मार्च, 1993 का तुलनपत्र

विवरण	अनुसूची	31 मार्च, 1993				31 मार्च 1992	
		(रु.)	(रु.)	(रु.)	(रु.)	(रु.)	(रु.)
		(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
निधि का स्त्रोत							
केपीटल रिजर्व	1			28,72,225			26,90,725
स्थायी परिसम्पत्तियां							
रिजर्व	2			—			3,75,536
सामान्य रिजर्व	3			2,89,17,556			2,29,06,743
				3,17,89,781			2,59,73,004
निधि का प्रयोग							
स्थायी परिसम्पत्तियां	4						
सकल ब्लाक		1,94,68,502			1,79,12,172		

	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
घटाएं : मूल्यङ्कास	58,91,804			50,68,184		
		1,35,76,698			1,28,43,988	
जोड़ें : भूमि त्रय के लिए पेशगी		15,59,000			—	
निर्माणाधीन भवन		73,64,572			28,42,126	
			2,25,00,270			1,56,86,414
निवेश	5		47,79,917			82,72,000
बालू परिसम्पत्तियां						
श्रृण और पेशगियां						
निवेश पर प्रोद्भूत ब्याज	6	16,40,040		64,09,889		
हस्तागत स्टॉक	6	41,33,480		39,49,770		
विविध देनदार	6	4,57,488		1,67,430		
नकदी और बैंक शेष	6	87,18,028		11,69,369		
श्रृण और पेशगियां		30,88,757		31,57,700		
			1,80,37,793			1,48,54,138
घटाएं : बालू देयतायें और प्रावधान	8					
बालू देयतायें		1,12,20,470		1,07,79,678		
प्रावधान		23,07,729		20,59,870		
			1,35,28,199			1,28,39,548
			45,09,594			20,11,590
			3,17,89,781			2,59,73,004
लेखांकन नीतियां और वित्तीय						
विवरणों पर टिप्पणियां	15					

इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

खन्ना एंड अक्लाधनम	(डा. एस. पी. नारंग)	(यू. के. चौधरी)	(महेश शाह)
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स	कार्यवाहक सचिव	उपाध्यक्ष	अध्यक्ष
(जे. धार. नारंग)			
पार्टनर			
नई दिल्ली			
24-08-93			

दि हंस्टोटवूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इण्डिया

31 मार्च, 1993 को समाप्त वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

	अनुसूची	1992-93 (र.)	1991-92 (र.)
(1)	(2)	(3)	(4)
आय			
शुल्क (विद्यार्थी तथा सदस्य)	9	2,47,34,431	1,92,14,180
गैन्स/बुकेटिन अभिदान और विज्ञापन		34,40,555	25,45,241
प्रकाशनों की बिक्री		15,17,352	12,53,219
निवेश से ब्याज		19,50,439	18,87,590
सम्मेलन और कार्यक्रमों की अधिशेष राशि	10	1,77,832	1,53,844
वीडियो फिल्म के लिए दान राशि		—	1,00,000
घटाएं : व्यय		—	(1,00,000)
अन्य आय	11	1,36,241	43,268
		3,19,56,850	2,50,97,342

(1)	(2)	(3)	(4)
व्यय			
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को अनुदान		8,56,093	13,99,625
क्षेत्रीय कार्यालय		3,16,932	2,91,698
स्थापना	12	1,15,55,891	97,45,611
डाक शिक्षण		36,27,262	32,42,078
प्रकाशन और कार्यालय स्टेशनरी		14,76,943	11,89,491
जर्नल/बुलेटिन		25,73,188	24,16,610
यात्रा और सवारी		11,26,568	7,71,307
परीक्षा व्यय		17,14,258	14,74,284
संचार व्यय	13	16,16,640	14,25,602
विकासियों को छात्रवृत्तियां और पुरस्कार		31,358	32,014
मूल्यह्रास	4	8,86,158	7,87,755
बूट्टे खाने/वसूल न होने वाले ऋणों के लिए प्रावधान		--	14,070
व्यावसायिक प्रशिक्षण और विकास		42,017	31,835
निर्वाचन व्यय		--	3,59,973
राज्य जयंती समारोह के लिए व्यय		1,59,794	--
अन्य आय	14	18,53,382	17,41,647
सामान्य रिजर्व में ले जाई गई व्यय से अधिक हुई आय		41,20,366	1,73,742
		3,19,56,850	2,50,97,312

इसी तारीख को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

खान्ता एंड प्रसाधनम

वार्टर्ड एकाउन्टेन्स

(जे० आर० नारंग)

पार्टनर

नई दिल्ली

24-08-94

(डा० एस० पी० नारंग)
कार्यवाहक सचिव(यू० के० चौधरी)
उपाध्यक्ष(महेश नाह)
अध्यक्ष

अनुसूची 1

पूँजी रिजर्व

31 मार्च, 1993

(रु०)

31 मार्च, 1992

(रु०)

पिछले लेख के अनुसार	26,90,725	24,58,225
जोड़ें : प्रवेश शुल्क		
एसीमिएट मदस्य	1,57,500	1,83,300
फेलो मदस्य	24,000	49,200
	1,81,500	2,32,500
	28,72,225	26,90,725

अनुसूची 2

व्यापी परिसम्पत्तियां रिजर्व

31 मार्च, 1993

(रु०)

31 मार्च, 1993

(रु०)

1	2	3	4	5	6	7
निम्नलिखित के लिए आरक्षित---						
(क) भूमि—क्षेत्रीय परिषदों से प्राप्त अनुदान		8,29,000				
बटाए गए सामान्य निर्वर्ष में अंतरण		8,29,000				
(ख) भवन						
पिछले लेख के अनुसार		3,75,536			9,76,125	
जोड़ें : क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं से प्राप्त अनुदान				15,56,831		
सावधि जमा राशि पर व्याज				68,785		

	1	2	3	4	5	6	7
दान राशि (सीधे को प्राप्त)		13,102					
			6,70,911			16,25,616	
			10,46,447			26,01,741	
घटाएँ : 1 सामान्य रिजर्व में अंतरण							
—क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं से प्राप्त अंशदान		6,57,809		15,56,831			
—इंस्टीट्यूट द्वारा वस्तुन की गई निर्माण लागत		3,88,638		5,11,439			
		10,46,447		20,68,270			
2. क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं की भूमि/भवनों की लागत में कमी				1,57,935			
			10,46,447			22,26,205	3,75,536
(ग) अन्य परिसम्पत्तियाँ—							
क्षेत्रीय परिषदों से अंशदान		15,000					
घटाएँ : सामान्य रिजर्व में अंतरण		15,000					
							3,75,536

टिप्पणी:—अनुसूची 15 में उल्लिखित लेखांकन नीति सं. 1 के संदर्भ में 18.90 लाख रुपए की स्थायी परिसम्पत्ति के शेष को सामान्य रिजर्व में अंतरित कर दिया है।

अनुसूची 3

सामान्य रिजर्व

	31 मार्च, 1993 (रु.)	31 मार्च, 1992 (रु.)
पिछले लेख के अनुसार	2,29,06,743	2,03,48,453
जोड़ें : स्थायी परिसम्पत्ति रिजर्व से अंतरण		
—भूमि	8,29,000	
—भवन	10,46,447	20,68,270
—अन्य परिसम्पत्तियाँ उपदान देयता के लिए	15,000	
—पुनर्लिखित प्रावधान		4,14,724
भ्राय तथा व्यय लेख के अनुसार अधिशेष	41,20,366	1,73,742
	2,89,17,556	2,30,05,189
घटाएँ : पिछले वर्ष बंगलौर शाखा के 18वें सम्मेलन की अधिशेष राशि के प्रतिरिक्त आबंटन का समायोजन		98,446
	2,89,17,556	2,29,06,43

यन्त्रसूची-5

निवेश

	31 मार्च, 1993 (रु.)	31 मार्च, 1992 (रु.)
सार्वजनिक उद्यमों के बंधपत्र	17,07,917	52,00,000
बैंकों में सावधि जमा	30,00,000	30,00,000
पुरस्कार प्रदान करने के लिए निवेश (तृमयी तरफ)		
—सार्वजनिक उद्यमों के बंधपत्र	40,000	40,000
—बैंकों में सावधि जमा	32,000	32,000
	47,79,917	82,72,000

टिप्पणी :

- (1) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के बंधपत्रों के बारे में उन पर अंकित मूल्य दिखाया गया। 31 मार्च, 1993 को उनका बाजार मूल्य माहूम नहीं है।
- (2) दस वर्ष 6 लाख रुपए के अंकित मूल्य वाले एन०टी०पी०सी० के असंचयी बंधपत्र 5.08 लाख रुपये में खरीदे गए।
- (3) एन०टी०पी०सी० के 14 प्रतिशत वाले संचयी बंधपत्रों से इस वर्ष 103.12 लाख रुपए प्राप्त हुए; उन बंधपत्रों का अंकित मूल्य 40 लाख रुपए था।

यन्त्रसूची-6

चालू पश्चिम्पत्तियाँ

	31 मार्च, 1993 (रु.)	31 मार्च, 1992 (रु.)
निवेशों पर प्रोचभूत ब्याज	16,40,040	61,09,869
स्टॉक		
(इतना मूल्य प्रबंधकों द्वारा प्रमाणित मूल्य के अनुसार है।)		
प्रकाशन	6,54,927	5,92,779
कागज	15,01,458	14,92,614
अध्ययन सामग्री	15,14,828	15,54,365
अन्य	4,62,267	3,10,012
	41,33,489	39,49,770
विविध देनदार		
(क) भारजित राशि जिनकी वसूली का संभावना है, जो उन्हें महीने से अधिक समय से बकाया है	65,690	30,595
अन्य	3,91,798	1,30,925
	4,57,488	1,67,430
(ख) भारजित राशि जिनकी वसूली संदिग्ध है	5,695	33,755
घटाएँ : संदिग्ध और वसूल न हो सकने वाले ऋणों के लिए रिजर्व	5,695	33,755
	4,57,488	1,67,430
नकदी और बैंक शेष		
हरतमन नकदी, डाक टिकट और ड्राफ्ट	1,04,590	1,22,998
सेविंग बैंक खातों में अनमूचन बैंकों के पास बैंक शेष	86,13,438	10,46,371
	87,18,028	11,69,369
	1,49,49,036	1,16,96,438

अनुसूची-7

ऋण और पेशगियाँ (आरक्षित राशि-बसूल होने योग्य)

	31 मार्च, 1993 (रु.)	31 मार्च, 1992 (रु.)
ऋण :		
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं के भवनों के लिए	10,71,288	12,32,468
पेशगियाँ		
वर्गवारी	10,67,869	10,73,873
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं	1,12,141	1,72,568
पूर्व प्रदत्त व्यय	2,83,988	2,88,975
विविध जमा राशियाँ	1,75,671	1,83,571
अन्य पेशगियाँ	3,77,800	2,06,245
	30,88,757	31,57,700

अनुसूची-8

चालू देयताएँ और प्रावधान

	31 मार्च, 1993 (रु.)	31 मार्च, 1992 (रु.)
चालू देयताएँ		
विविध भेनदार	2,02,674	2,61,531
असमाप्त सेवाओं के लिए विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन शुल्क	70,89,058	63,38,862
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को देय अनुदान	8,98,059	8,61,590
अग्रिम प्राप्त शुल्क और अन्य पेशगियाँ	1,80,927	71,880
प्राप्त धन राशियों का पुनः आवंटन	2,00,209	1,40,777
देय-व्यय	17,78,598	20,51,148
विकसिता व्यय योजना	45,200	32,050
पुरस्कार प्रदान करने के लिए प्राप्त धन राशि (दूसरी तरफ)	72,000	72,000
हितकारी निधि	94,135	70,360
उपदान ट्रस्ट (जीवन बीमा निगम)	6,59,610	8,79,480
	1,12,20,470	1,07,79,678
प्रावधान		
पेंशन	23,07,729	20,59,870
	1,35,28,199	1,28,39,548

अनुसूची-9

सदस्यों और विद्यार्थियों से शुल्क

	1992-93 (रु.)	1991-92 (रु.)
सदस्य :		
वार्षिक शुल्क	22,82,670	22,93,038
अन्य शुल्क	30,550	16,500
	23,13,220	23,09,538
विद्यार्थी :		
परीक्षा शुल्क	52,19,673	40,44,048
आफ शिक्षण शुल्क	1,39,82,239	99,97,294
बीजीकरण शुल्क	32,76,811	29,19,778
लाइसेंस शुल्क	1,02,293	85,751

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
छूट शुल्क	13,01,307		11,76,031	
अन्य शुल्क	1,88,742		42,250	
		2,40,71,066		1,82,65,152
		2,63,84,285		2,05,74,690
कुल शुल्क				
बटाएँ : जर्नल/बुलेटिन के लिए नियत सबस्यतः शुल्क		16,49,854		13,60,510
		2,47,34,431		1,92,14,180

अनुसूची-10

सम्मेलन और कार्यक्रमों से प्राय

	1992-93 (रु.)	1991-92 (रु.)
प्राप्तियाँ		
प्रतिनिधि शुल्क	11,23,880	7,37,350
बिज्ञापन	1,26,100	1,10,700
पिछले सम्मेलनों से	5,572	—
अन्य	7,80,400	28,000
		20,35,052
बटाएँ : व्यय	13,38,120	7,02,206
कम्पनी सैक्रेटरीज/आई. सी. एस. आई. कर्मचारी हितकारी		
निधि—को प्राबंटन	20,000	20,000
		18,58,120
		1,77,832
		1,53,844

अनुसूची-11

अन्य प्राय

	1992-93 (रु.)	1991-92 (रु.)
कर्मचारी वेतनियों पर व्याज	50,876	14,618
विज्ञापन परामर्शी सेवाएँ	3,000	—
पुनर्लिखित अधिक प्राविधान	52,720	—
विविध प्राय	29,845	28,650
	1,36,241	43,268

अनुसूची-12

स्थापना व्यय

	1992-93 (रु.)	1991-92 (रु.)
वेतन और भत्ते	99,74,404	83,66,618
अविप्य निधि में अंशदान	4,13,561	3,89,025
जीवन बीमा निगम को प्रीमियम (उपबाण)	1,45,773	—
पेंशन	4,47,300	3,39,570
कर्मचारी कल्याण	5,74,854	6,50,398
	1,15,55,891	97,45,611

अनुसूची-13

संचार व्यय

	1992-93 (रु.)	1991-92 (रु.)
डाक टिकट और तार	10,34,079	9,77,841
टेलीफोन, टेलिग्राफ और इंटरकॉम	5,82,561	4,17,761
	16,16,640	14,25,602

अनुसूची-14

अन्य व्यय

	1992-93 (रु.)	1991-92 (रु.)
विज्ञापन और प्रचार	43,252	82,971
बैंक प्रचार	15,990	19,961
बिजली और पानी	3,55,312	3,39,113
बीमा	17,749	14,934
किराया, दरें और कर	1,72,065	2,00,448
भरसम्मत और धनुरक्षण		
—भवन	61,990	1,47,937
—अन्य	2,17,766	1,45,040
कानूनी व्यय	1,49,405	91,681
मोटरकार व्यय	58,989	58,274
कार्यालय व्यय	2,25,012	2,16,906
कम्प्यूटरीकरण	1,51,037	1,63,694
कम्प्यूटर मापदंडों का विकास	15,500	—
लेखापरीक्षकों की भुगतान		
—सांविधिक लेखा परीक्षा	15,000	15,000
बैठक	75,484	54,539
पैकिंग, मुल्हाई और भाड़ा	1,90,188	1,89,559
बिक्री/परिसम्पत्तियों के निपटान से हानि	5,855	1,690
एन०आर०टी०पी सेमिनार के लिए अंशदान	46,698	—
सुरक्षा सेवाएं	36,090	—
	18,53,382	17,41,447

अनुसूची-15

लेखांकन नीतियां और वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां

(क) लेखांकन नीतियां

1. दान राशियां और क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं द्वारा अंशदान:—
सीधे प्राप्त दान राशियों और क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं द्वारा भूमि/भवनों की खरीद के लिये अंशदानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों का "स्थायी परिसम्पत्ति रिजर्व" खाने में जमा किया जाता है। इस प्रकार की परिसम्पत्तियों को खर्च करने के लिए बस्तुतः उपयोग की गई राशियों का सामान्य रिजर्व में प्रत्यक्ष किया जाता है।

2. शुल्क :

(क) फैंस और एसोसिएट सदस्यों से प्रवेश शुल्क प्राप्त होने पर उसे पंजीकृत कर दिया जाता है और "पूंजी रिजर्व" खाते में दिखाया जाता है।

(ख) मदद्यों से प्राप्त शुल्क की राशियों को प्रोद्भूत आधार पर हिसाब में लिया जाता है।

(ग) पंजीकरण शुल्क को छांटकर विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क को प्राप्त-आधार पर हिसाब में लिया जाता है; पंजीकरण शुल्क को पांच वर्ष की अवधि में बराबर बांटकर आय के रूप में लिया जाता है।

3. निवेश:

निवेशों का मुख्य लागत के अनुसार प्राप्ति जाता है।

4. स्थायी परिसम्पत्तियां :

(क) स्थायी परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास को लिखित मूल्य आधार पर निम्नलिखित दरों के अनुसार प्रसारित किया जाता है :

भवन

5%

फर्नीचर और जुड़ना	10%
एयरकंडीशनर/कूलर/कम्प्यूटर तथा अन्य उपस्कर	15%
पुस्तकालय की पुस्तकें	20%
वाहन	20%
मीड	33.33%

परिवर्धनों पर मूल्यह्रास पूर्ण वर्ष के लिये प्रसारित किया जाता है।

(ख) 1-4-1992 से लागू—पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर, जिनकी लागत 250 रुपये से कम है या जिनका निश्चित मूल्य 250 रुपये से कम है, अल्प स्थायी परिसम्पत्तियों का व्यय सीधे ही प्रसारित किया जाता है।

5. कागज, प्रकाशनों और अध्ययन सामग्री की सार्वजनिक में दिये गये सामान का मूल्यांकन उनकी लागत पर किया गया है।

6. पेंशन :

पेंशन के लिये प्रावधान बीमाकृत मूल्यांकन के आधार पर किया गया है। संग्रहीत निधि और इंस्टीट्यूट की अधिशेष राशि का निवेश सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के बंधपत्रों में किया गया है। इन दोनों राशियों की कोई अलग पहचान नहीं रखी गई है।

7. उपदान

उपदान न्यास में अंशदान भारतीय जीवन बीमा निगम की पूरा उपदान योजना के अनुसार किया गया है।

8. ब्याज

(क) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के संचयी बंधपत्रों में किये गये निवेशों और अन्य निवेशों पर प्राप्त ब्याज का उत्तरी बीमा तक आय के रूप में लिया है, जितनी आय वस्तुतः हुई है।

(ख) समग्र रूप से जितनी राशि का निवेश किया गया, उसके एक भाग के रूप में स्थायी परिसम्पत्तियों में से अधिशेष निधि के निवेश पर अर्जित ब्याज का आकलन इस वर्ष उपलब्ध औसत निधि के आधार पर किया गया है तथा स्थायी परिसम्पत्तियों के रिजर्व के जमा खाते में डाल दिया है।

(ग) स्टाफ की उधार पर ब्याज प्राप्त करने पर खाने में लिया गया :

(घ) विनीय विवरणों में संबंधित टिप्पणियां

1. 31 मार्च, 1989 को समाप्त वर्ष और उसके बाद के वर्षों के बारे में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(23ग) (i) के अधीन छूट का आवेदन पत्र भारत सरकार के पास पुनर्विचार के लिये पड़ा है। 31 मार्च, 1991 और 1992 को समाप्त वर्षों के बारे में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(22) के अधीन छूट के लिये आवेदनपत्र भी आयकर निदेशक (छूट) के पास भेजा गया है। इस बारे में अन्तिम निर्णय होने तक लेखों में कराधान का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

2. नई दिल्ली के प्रताप नगर में निर्माणाधीन नये भवन के बारे में ठेकेदार ने उनके द्वारा किये गये काम तथा ठेका समाप्त करने के एवज में हर्षान के लिये इंस्टीट्यूट के धिक्काफ कुल 57.21 लाख रुपये का वाचा किया है। इंस्टीट्यूट ने भी 410 लाख रुपये का प्रतिदावा दायर किया है। क्योंकि मध्यस्थता के लिये यह मामला दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष है, इनलिमेंट लेखों में इस संबंध में कोई प्रावधान नहीं किया है।

3. सिटी एंड इंस्टीट्यूट कॉर्पोरेशन प्रा. लि. ने इंस्टीट्यूट को पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद् को 1975 का सीटर

का एक भूखण्ड 60 वर्ष के पट्टे पर 20.55 लाख रुपये मूल्य पर आवंटित किया है। उक्त निगम इस भूखण्ड का कच्चा पट्टे की पूरी प्रीमियम राशि और अन्य वेय राशियां चुकता करने पर ही देगा। तुलन पत्र में "सूचि त्रय के लिये अधिम राशि" के अधीन 15.59 लाख रुपये की पेशगी दिखाई गई है, जिसमें से 8.29 लाख रुपये का अंशदान पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद् ने किया है।

4. पिछले वर्ष के आंकड़ों को यथावश्यक फिर से वर्गीकृत कर दिया है।

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA

(Constituted under the Company Secretaries Act, 1980)

NOTIFICATION

New Delhi, 30th September, 1993

F. No. 104/21/Accts.—Thirteenth Annual Report of the Council for the year ended 31st March, 1993.

1. INTRODUCTION :

In pursuance of the requirement of Sub-section (5) of Section 18 of the Company Secretaries Act, 1980 (the Act), the Council of the Institute of Company Secretaries of India is pleased to publish the thirteenth annual report and the audited statements of account along with auditors' report thereon, on the working of the Institute for the year ended 31st March, 1993. Some of the significant activities of the Institute for the year ended 31st March, 1993 have also been outlined herein.

2. DEVELOPMENTS :

2.1 The ICSI Silver Jubilee Celebrations

The year 1992 was not only a significant year for the Indian economy in terms of the liberalisation for growth but it was also an eventful year for the Institute. The Institute entered its Silver Jubilee Year on 4th October, 1992. It may be recalled that the ICSI was registered as a Section 25 company on 4th October, 1968 and took over the task of conducting company secretaryship examinations imparting training and generally regulating the profession. Of course, the profession had its genesis in 1960 when the Government started GDCS examination. To commemorate this important event befittingly the Institute and the Regional Councils have organised glittering public functions. The inaugural function of the Silver Jubilee celebrations was organised by the headquarters on 4th October, 1992 in New Delhi. Hon'ble Shri P. J. Kurien, the then Minister of State for Industry and Commerce, Government of India, inaugurated the Silver Jubilee Celebrations of the Institute at Delhi to commemorate the occasion. The Hon'ble Minister also released First Day special postal cover and honoured the past Presidents present at the function. He

complimented the Institute and its members for playing an important role in the corporate sector for the last two and a half decades. As a part of Silver Jubilee celebrations of the Institute, a special drive was launched to increase the membership of the Institute.

2.2 First International Conference and 20th National Convention

The first International Conference and 20th National Convention held at Calcutta on 12, 13 & 14th November 1992, was yet another remarkable event. Almost 600 participants, including professional brethren from Pakistan, Sri Lanka and Bangladesh attended the Convention.

2.3 Participation in the First International Conference of Sri Lankan Association of the ICSA

The President along with the Vice-President and a few Council Members and other professional colleagues attended the First National Conference organised by Sri Lankan Association of the Institute of Chartered Secretaries and Administrators in Colombo on the 13 and 14th August 1992 on the theme "Corporate Responsibility in a Liberalised Economy". The Indian delegation was the largest from amongst the neighbouring countries.

2.4 Visit of Hon'ble Minister of State for Law, Justice & Company Affairs

On 26th July 1992, Hon'ble Minister of State for Law, Justice and Company Affairs, Shri H. R. Bhardwaj visited the headquarters of the Institute and had an elaborate discussion with the President, Vice-President and Council Members of the Institute in Delhi on matters relating to corporate governance, simplification of company law and role and importance of the company secretaries and importance of the company secretaries' profession. The Minister appreciated the useful role played by the Institute and company secretaries in the corporate sector.

2.5 LEXPO'93 co-sponsored

During the year under report, the Institute co-sponsored along with leading Business and Professional Associations in India as well as in the USA and Bank of America, the Conference "LEXPO-93—LEGAL AND FINANCIAL ASPECTS OF DOING BUSINESS IN INDIA" which was organised by the U.S. Embassy on 6, 7 & 8th February, 1993 at New Delhi. The President addressed the delegates and dealt at length on the vibrant and important role played by company secretaries in the contemporary corporate environment.

2.6 All India launching of the Foundation Course

The Council is pleased to report that the Government has since accorded the approval for the introduction of the Foundation Course, rationalisation of

the existing syllabus and for strengthening further the practical experience and training requirements for the students. Introduction of the Foundation Course during the Silver Jubilee Year of the Institute is an important landmark and is a welcome step in line with the National Education Policy to commence professional studies at 10+2 stage to attract talented students in good numbers at the right age and stage.

2.7 The All India launching function of the Foundation Course is being inaugurated on 3rd September, 1993 in New Delhi by Shri H. R. Bhardwaj, Hon'ble Minister of State for Law, Justice and Company Affairs.

3. COUNCIL

3.1 President and Vice-President

At the meeting of the Council held on 1st January 1993, P. T. Rangamani relinquished the office of President. Mahesh Shah and U. K. Chaudhary were elected as President and Vice-President respectively for a period of one year from 1st January, 1993. The Council places on record its appreciation of the valuable contribution made by P. T. Rangamani as President of the Institute.

3.2 Composition

The Central Government appointed R. Krishnan, as its nominee on the Council in place of J. Sridharan w.e.f. 1st January, 1993. R. D. Joshi was nominated by the Central Government on the Council in place of Sudha Pillai w.e.f. 20th July, 1993. All other Council Members continued to hold office during the year under report. The Council places on record its appreciation of the services rendered by J. Sridharan and Sudha Pillai as Council Members.

3.3 Meetings

The Council held five meetings during the year.

3.4 Committees, etc.

The Council constituted three Standing Committees and six other Committees. The Council also constituted various specialised Groups and Advisory Boards to assist the Council. The composition of these Committees, Groups and Advisory Boards is given in Appendix 'A' to the Report.

4. REGIONAL COUNCILS AND CHAPTERS

4.1 Regional Councils

The four Regional Councils constituted by the Council for assisting it in its efforts had been smoothly performing their functions during the year. They had been conducting conferences, seminars and meetings, providing services such as oral coaching and Secretarial Modular Training Programmes for students, library facilities, career counselling, publication of

regular news bulletins and providing assistance to chapters in their jurisdiction. The activities of Regional Councils and Chapters are regularly reported in their news letters and in 'Chartered Secretary'. The reserves and surplus of each Regional Council, along with the number of students and members in each region as on 31st March, 1993, are given in Appendix 'B' to the Report.

4.2 Chapters

The 36 Chapters duly constituted under the jurisdiction of four Regional Councils including two new Chapters at Noida and Surat conducted activities locally during the year for the education and training of students and professional development of members.

4.3 Efforts to establish Chapters overseas and propagate the profession abroad

With the avowed objective of having closer interaction and mutual cooperation, special efforts have been made to establish Chapters/Study Circles in foreign countries and towards this direction, letters were addressed to members based in Dubai, Nigeria, Saudi Arabia, Zambia, Bahrain, Canada, U.S.A., Indonesia, Singapore, Abu Dhabi, Botswana, U.K., Malaysia, Muscat and Ruwi (Oman). Efforts have also been undertaken to explore the possibility of organising company secretaryship course in the neighbouring countries and for developing the profession for creating a nucleus of qualified company secretaries.

4.4 Presentation of Best Chapter Awards

At the inaugural session of the First International Conference and 20th National Convention of Company Secretaries held at Hotel Oberoi Grant, Calcutta on 12th November 1992, G. Venkataramanan, Additional Secretary, Department of Company Affairs, presented the following awards for 1990-91 :

National Best Chapter	Jaipur (North)
Regional Best Chapters	
(a) Eastern Region	Bhubaneswar
(b) Northern Region	Jaipur
(c) Southern Region	Hyderabad
(d) Western Region	Ahmedabad

5. MEMBERS

5.1 Membership

During the year, 525 persons were admitted as Associate Members and 120 Associates were admitted as Fellow Members. As on 31st March 1993, the Institute had on its Register 8848 members comprising 6789 Associates and 2059 Fellows. The number of members residing abroad as on 31st March, 1993 was 195. The Council regrets to report the death of 11 members during the year.

5.2 Growth of Members

A table showing the statistics of members and those holding certificates of practice, is given as Appendix 'C' to the Report.

5.3 List of Members

In pursuance of Section 19(3) of the Act read with Regulation 161 of the Company Secretaries Regulations, 1982, a complete list of members as on 1st April, 1992 has been published and supplied to members on request.

5.4 Certificate of Practice

Certificates of Practice were issued to 82 members during the year. As on 31st March, 1993, 609 members were holding certificates of practice as against 1102 as on 31st March, 1992.

5.5 Directory of Company Secretaries in Practice

A Directory of Company Secretaries in Practice as on 31st December, 1992 was published.

5.6 Disciplinary cases pertaining to Members

During the year under review, there had been a declining trend in the number of complaints against the members alleging professional misconduct. However, the Council continues to strive to maintaining identified code of conduct of members by paying due homage to the code of conduct and ethics expected of members.

6. PROFESSIONAL DEVELOPMENT AND CONTINUING EDUCATION PROGRAMMES

6.1 As a part of professional development activities, seven programmes (including the First International Conference) were organised during the year as per details given in Appendix 'D' to the Report.

6.2 The National Seminar on Emerging Capital Markets organised on 16 & 17 October, 1992 was inaugurated by G. Venkataramanan, Additional Secretary in the Department of Company Affairs. Justice Rajinder Sachar, former Chief Justice of Delhi High Court, several senior officers of the Department of Company Affairs, Head, Primary Securities Department of SEBI, Managing Director of SHCIL, Executive Director of Delhi Stock Exchange, Chief Executive of ICRA, Executive of OTCEI, Vice-President of Bank of New York, et al. addressed the participants. The seminar was well appreciated and widely covered by the Press, AIR and Doordarshan.

7. PUBLICATIONS

7.1 'Chartered Secretary'

The monthly journal 'Chartered Secretary' published for the last twenty-three years, has consistently maintained its prestige, quality and promptitude in

providing the latest government notifications, legal decisions and informative articles, and is serving as an effective medium of communication. The April 1992 issue of the journal was brought out as a special issue on the Union Budget 1992-93.

7.2 Guidance Notes

To ensure transparency, full disclosure and investor protection in the free pricing regime ushered in with the abolition of control over capital issues, SEBI issued certain guidelines on 11th June 1992, which have been subsequently clarified six times. Considering their expertise and training, company secretaries have been authorised to issue compliance certificate under these guidelines. To help company secretaries effectively discharge their duties, the Institute brought out a 'Guidance Note on SEBI Guidelines' indicating various checks that a company secretary should exercise before certification.

The draft Guidance Note was circulated to the members at the National Seminar on Capital Markets for eliciting comments/suggestions from members. The finalised version of the Guidance Note was released at the First International Conference and Twentieth National Convention as a part of the comprehensive 'Manual on Capital Issues'.

7.3 Manual on Capital Issues

For the benefit of our members, the Institute brought out a 'Manual on Capital Issues' (in the light of SEBI Guidelines) carrying the Guidance Note on SEBI Guidelines as well as the materials useful for public issue of capital including relevant Acts and Rules, Guidelines promulgated by SEBI for registration of intermediaries, authorisation of merchant bankers, portfolio management of investment, circulars issued by SEBI relating to issue of prospectus, letter of offer, stock invest, etc. The Manual was released by the Hon'ble Minister of State for Law, Justice and Company Affairs, H. R. Bhardwaj, at the First International Conference and Twentieth National Convention.

7.4 Brochure

A brochure 'Why Engage a Company Secretary' was brought out on the eve of the 'LEXPO-93', highlighting the objectives and functions of ICSI, the role of a company secretary in employment and also the range of services rendered by a company secretary in practice.

7.5 Investor Guidance Series

The Investor Education Series I and II were updated and the revised editions were brought out both in English and in Hindi.

218101/93-4

7.6 Guide to Company Secretary in Practice

'Guide to Company Secretary in Practice', a publication of the Institute, was revised and brought out during the year under review.

8. EXPERT GROUPS

8.1 Expert Advisory Group

The Expert Advisory Group reconstituted under the Chairmanship of Justice M. S. Gujral, former Chief Justice of Sikkim High Court, has continued to render expert advisory services to members on intricate problems relating to Company Law, Industries (Development and Regulation) Act (IDRA), Securities Contracts (Regulation) Act (SCRA), Monopolies and Restrictive Trade Practices Act (MRTPA), Foreign Exchange Regulation Act (FERA) and Capital Markets.

8.2 Core Group of Experts

The President constituted various Core Groups of experts during the year under review on the basis of subject specialisation in the areas of Company Law, Capital Markets, Corporate Laws, Taxation and Accounting and Finance. The Core Groups have been constituted for eliciting comments from members/experts for finalisation of representations to the Government/Stock Exchange(s)/Committees/Study Groups constituted by the Government and other Institutions. The Regional Coordinators have also been appointed to seek comments of members/experts at the regional levels for assisting the Core Groups at headquarters.

With a view to broad-basing the Core Groups, Experts from the Universities and other reputed professional/research organisations as well as officials of the Central Government dealing with subjects concerned, have also been included in Core Groups.

9. RECOGNITIONS TO THE PROFESSION

9.1 The year under review saw a lot of professional activities both in regard to the existing areas and new areas, like corporate financing, capital market, and institutions, such as, SEBI, SHCIL, etc. Immediate past President, P. T. Rangamani has been nominated on the SEBI Advisory Committee on Primary Markets and Shyamal Sen, past President has been nominated on the Company Law Advisory Board during the year.

9.2 The practising side of the profession secured recognitions from SEBI which bears further testimony to the importance accorded to the profession. Company secretaries in practice have been recognised for granting compliance certificate relating to compliance

by the company issuing capital under the SEBI Guidelines for Disclosure and Investor Protection. To enable the company secretaries carry out the certification work effectively, the Institute has brought out a Guidance Note on SEBI Guidelines.

9.3 The other recognitions secured for the company secretaryship during the year under report have been included in the annexure to the report.

10 EMPLOYMENT OPPORTUNITIES

The Institute continues to publicise the significant role played by its members through interaction with Chambers of Commerce, Bureaux of Public Enterprises and other bodies. The Institute is also continuing its efforts with the Department of Banking for securing career progression of members working and also for appointment of our members to Finance, Accounts, Legal and Merchant Banking Divisions of various banks. The Institute, its Regional Councils and Chapters continue to provide employment services to companies under the Employment Service Scheme by furnishing lists of members for employment. During the year under review, 148 companies availed of the facility of obtaining panel of suitable candidates from the Employment Service Scheme maintained by the Institute. Such companies have been encouraged to advertise in 'Chartered Secretary' for obtaining a wider panel of candidates.

11 TWENTY-FIRST NATIONAL CONVENTION AND SECOND INTERNATIONAL CONFERENCE

As per the decision of the Council to hold the National Convention every year in the month of October/November, it has been decided to hold the 21st National Convention and Second International Conference from 14 to 16th October, 1993 at Madras.

12 STUDENTS SERVICES

12.1 Registration

During the year under report, 13615 students were registered as compared to 13613 students registered during the previous year. The number of students whose registration was current at the end of the year was 60081 including those whose registration was extended under Regulation 21(3). Appendix 'E' to the Report gives the statistics of the number of registered students as well as those who have completed the Intermediate and Final examinations.

12.2 Coaching

All the students registered during the year were enrolled for undergoing compulsory postal tuition. 13319 completion certificates were issued during the

year and 119436 response sheets were evaluated and returned to the students. As a step in the direction of decentralisation of activities relating to the students services, during the year, all the Regional Councils excluding WIRC provided the facility of local evaluation of response sheets for the intermediate course. SIRC has even provided the facility of local evaluation of response sheets for the final course. It is expected that WIRC would start the service of local evaluation of response sheets shortly.

12.3 Up-dating of Study Materials

The revision of study materials on all subjects was completed during the year. The materials on Advanced Secretarial Practice (relating to Economic and other Legislations) and Economic and other Legislations were thoroughly revised in view of the various amendments in these laws.

12.4 Guideline Answers and Topic-wise Questions

Guideline answers for June 1992 and December 1992 examinations, were brought out group-wise for the benefit of students. Topic-wise questions on all subjects of Intermediate and Final examinations were also brought out during the year under Report.

12.5 Establishment of Oral Tuition Centres

During the year under report, two new Oral Tuition Centres were established at Behrampur (Ganjam) and Malad (Bombay). Thus, 35 oral coaching centres recognised by the Institute were functioning during the year under report.

12.6 Student Company Secretary

The Institute regularly brings out 'Student Company Secretary', a monthly bulletin for the benefit of student's pursuing the company secretaryship course, mainly to apprise and update them of legislative amendments, studies and information relating to administration of student services and practical training requirements.

12.7 Lectures on Audio Tapes

Two more audio tapes were prepared and made available for sale at subsidised prices to students and members on the following topics :

- (i) Introduction to Central Excise; and
- (ii) Some Important Aspects of Trade Marks Law-II.

The respective transcripts incorporating therein the citation of cases and relevant statutory provisions were also published. The response from students and members to the audio tapes has been encouraging.

12.8 Library Facilities

During the year under review two new Satellite Libraries at Rourkela and Vijayawada were opened. The Postal Library Scheme introduced on experimental basis at four regional offices had to be discontinued as it did not evoke the desired response. Libraries at two new Chapters, i.e., Surat and Noida will be opened shortly.

12.9 Headquarters Library

The Institute also maintains a library with up-to-date information in the headquarters for research and reference purposes.

12.10 Career Counselling

A good number of Career Counselling programmes were held during the year by the headquarters and by Regional Councils/Chapters. While providing career guidance about the company secretaryship course, necessary literature including brochure "Career in Company Secretaryship" were distributed amongst the audience as well as the faculty members in various colleges/institutions. Articles and write-ups were also published in a number of newspapers and professional journals apart from Radio and T.V. talks. Necessary information about the company secretaryship course was also provided to the University/Employment Information and Guidance Bureaux in the country. These efforts are aimed at creating greater awareness about the company secretaries' profession in all parts of the country.

12.11 A Guide to Company Secretaryship—Study and Examination

In order to guide the students as to how to study and prepare for the Company Secretaries Examination, the Institute brought out an exclusive publication for the students titled "A Guide to Company Secretaryship—Study and Examination." As a part of service to the student community, this booklet is being provided free of cost to all the students registered for pursuing company secretaryship course from 1st July, 1992 onwards.

13. EXAMINATIONS

13.1 Conduct of Examinations

During the year under report, Company Secretaries Preliminary, Intermediate and Final examinations were held in June and December 1992 in 36 centres all over the country and one centre abroad in Dubai. In June, 1992, 493 and 346 candidates completed the Intermediate and Final examinations respectively, while the corresponding figures for December, 1992 session were 352 and 274. The list of existing examination centres is given in Appendix 'F' to the Report.

13.2 Statistics on Examinations

The statistics relating to the results indicating the number of candidates appeared, passed and the pass percentage in

June and December 1992 examinations are given in Appendix 'G' to the Report.

13.3 Hindi Medium in Examinations

In pursuance of the Council's desire to gradually promoting the use of Hindi in Company Secretaries Examinations, the Institute has been allowing use of Hindi as an alternative medium for all its examinations.

13.4 All India Prize Awards

Jinendra Kumar Jain, from Northern Region and K. Ravichandran from Southern Region, jointly won the President's Gold Medal for outstanding performance in the Final examination held in June, 1992. In December 1992 examination, the prize was bagged by Deepak Mohta from Eastern Region. The annual prize titled 'Pt. Nehru Birth Centenary Prize' was won by S. Subramaniam from Southern Region. Raj Kumar Sharma from Eastern Region and Prabhat Gupta from Northern Region won the 'President's Silver Medal' for the outstanding performance in the Intermediate examinations held in June and December 1992 respectively. Besides, the particulars of all the winners of existing all-India prize awards as well as regional prize awards were announced in the "Student Company Secretary" bulletin.

13.5 Merit Certificate

Merit certificates were awarded to first ten top rank holders in the Intermediate and Final examinations held in June and December 1992 and their particulars were published in "Student Company Secretary" bulletin and "Chartered Secretary" journal.

13.6 Merit Scholarships and Financial Assistance to Students

Pursuant to the existing Merit Scholarship Scheme, scholarships to eligible ten top meritorious students were given in June 1992 and to eleven students in December 1992 examinations. Similarly, financial assistance under the Merit-cum-Means Assistance Scheme was granted to eligible candidates.

14. MANAGEMENT/PRACTICAL/APPRENTICESHIP TRAINING

14.1 Empanelment

During the year under report, 115 companies were recognised for imparting Management Training and 111 companies were recognised for imparting Practical Training.

In addition, 20 company secretaries in whole-time practice were registered to impart apprenticeship training. The name of five company secretaries in whole-time practice were deleted from the list. The statistics of number of companies recognised for training, company secretaries empanelled for providing apprenticeship training and number of students sponsored for undergoing various kinds of training are given in Appendix 'H' to the Report.

14.2 Monitoring and Strengthening of Training

Due to continued efforts made, sufficient companies/company secretaries in full time practice are now available to impart management/apprenticeship training and practical training to the Intermediate/Final passed students.

14.3 Secretarial Modular Training Programmes

During the year under report 18 SMTPs were held—2 by EIRC, 3 each by NIRC & SIRC, 4 by WIRC and one each by Chandigarh, Jaipur, Bangalore, Hyderabad, Ahmedabad and Pune Chapters, which were attended in all by 527 candidates.

The revision work of four Modules/Course material has commenced during the year so as to include various legislative and other changes. Besides giving more emphasis to case studies, group discussions, use of audio-visual aids, visits to Stock Exchange, Share Department, EDP Centre, Annual General Meetings, etc., senior officers from headquarters also participated in the programmes to make it more lively and interesting.

15. ACCOUNTS

15.1 Income & Expenditure Account

The financial results for the year show a surplus of Rs. 41.20 lacs as compared to a surplus of Rs. 1.74 lacs for the previous year. The increase in surplus is mainly due to revision in the students fee structure with effect from 1st July, 1992.

15.2 Capitalisation of fee

Following the existing practice, a sum of Rs. 1.81 lacs being the entrance fee received from Associate and Fellow members has been capitalised. The Capital Reserve at the end of the year stood at Rs. 28.72 lacs as against the previous figure of Rs. 26.91 lacs.

15.3 Fixed Assets Reserve

As per the current practice, a sum of Rs. 0.13 lacs on account of donations for building fund has been appropriated directly to the Fixed Assets Reserve account. The capital payments have been drastically increased in view of the construction of ICSI-NIRC building project which is in progress. As such the entire amount of Rs. 3.89 lacs standing in the Fixed Assets Reserve has been utilised and transferred to the General Reserve. Leaving the above amount, the entire balance amount of Rs. 44.51 lacs spent on acquisition of land and construction of buildings has been met out of the General Reserve.

15.4 General Reserve

The General Reserve stood at Rs. 229.07 lacs at the end of the previous year, now stands increased to Rs. 289.18 lacs. It includes addition of surplus of Income over Expenditure of Rs. 41.20 lacs for the year under report.

16. AUDITORS

M/s. Khanna & Annadhanam, Chartered Accountants, New Delhi were appointed as auditors of the Institute to audit the accounts for the year ended 31st March, 1993 pursuant to the requirements of Section 18(4) of the Act. The auditors report is published along with the statements of accounts.

17. LAND AND BUILDINGS

17.1 ICSI-NIRC Building

The construction work at the site of the ICSI-NIRC building project is at its completion stage and is likely to be completed by the end of August 1993.

17.2 ICSI-WIRC Building

With great efforts, the Institute has procured a piece of land measuring 1975 sq. m. from CIDCO at Central Business District in New Bombay for setting up a Centre for Corporate Research & Training of WIRC of ICSI at a total lease premium of Rs. 26.55 lacs. Since whole of the payment has been released, taking over of possession of the land from CIDCO is in progress.

17.3 Goa Chapter Office premises

The possession of the new built flat at Panaji has been taken over by the Chapter and the same has been inaugurated on 10th October, 1992.

17.4 Hyderabad Chapter Office premises

The Chapter has constructed a lecture hall by extending the existing building premises in order to conduct coaching classes/holding programmes/members' meeting at a total cost of Rs. 2.56 lacs.

17.5 Capital Grants and Loans by the Institute

Out of the limited resources of the Institute, the Council has so far given capital grant of Rs. 108.36 lacs and loans of Rs. 25.82 lacs to the Regional Councils/Chapters which have acquired or are in the process of acquiring office premises worth Rs. 217.81 lacs. ICSI-NIRC building project and ICSI-WIRC's CCRT project are financed jointly by the Institute and the respective Regional Councils. The Chapters have made or are making their own arrangements to raise the balance resources for completion of their building projects. The Council places on record its appreciation of the efforts undertaken by these Regional Councils/Chapters to acquire their own office premises. Efforts are also required to be made by these Regional Councils/Chapters to raise additional resources for proper furnishing and maintenance of the premises and to acquire modern office equipment for providing better services to local members and students.

18. COMPANY SECRETARIES' BENEVOLENT FUND

The Company Secretaries' Benevolent Fund, registered as a society by the Council in 1976 now has a strength of 1309 life members as on 31st March, 1993. As per the latest amendments to bye-laws of the Fund, members of the Institute are eligible for life membership of the Fund after subscribing Rs. 500. Capital Reserve and General Reserve of the fund amount to Rs. 6.17 lacs and Rs. 4.96 lacs respectively as on 31st March, 1993.

19. EMPLOYEE WELFARE MEASURES

The Employees Club, promoted in 1973, received financial assistance from the Council for its activities. During the year, advances amounting to Rs. 3.58 lacs were granted to the employees for purchase of scooters, construction of houses, etc. Apart from helping the employees to have their own Cooperative Group Housing Society, the Council has also assisted the promotion of Employees' Benevolent Fund for which grant of Rs. 10,000 has been made from the surplus of National Convention every year, for the last seven years.

20. RETIREMENT OF SECRETARY

T. P. Subbaraman retired as Secretary of the Institute on 28th February, 1993 after having held the post for a continuous period of 22 years. A farewell function was organised by the Institute to give a warm send-off to him. The function was well attended and Subbaraman was wished a happy and peaceful retired life. Mementoes were also presented to him on behalf of the Institute, the officers and the staff of the Institute.

21. ACKNOWLEDGEMENT

The Council places on record its gratitude to the Ministers and officers of the Central Government, particularly, the Department of Company Affairs and SEBI for their help, guidance and support to the development of the profession

and the activities of the Institute during the year. The Council is also grateful to various State Governments, financial, industrial and investment institutions, the corporate sector in general, and various Chambers of Commerce and Trade Associations and other agencies which have been increasingly inclined to avail of the services of members of the Institute and recognise their expertise in the field of corporate laws, finance, management and allied areas. The Council also places on record its deep appreciation of the assistance and cooperation of the Regional Councils and Chapters and of the commitment and devotion to duty exhibited by all levels of officers and staff of the Institute.

For and on behalf of the Council
of the Institute of Company Secretaries of India,

Sd/-
MAHESH SHAH,
President

New Delhi,
24-8-1993

APPENDIX-A

COMPOSITION OF STANDING AND NON-STANDING COMMITTEES AND ADVISORY BOARD/GROUP

I. STANDING COMMITTEES

1. Disciplinary Committee	
Mahesh Shah	Chairman
R. D. Joshi	Member
K. R. Chandratre	Member
2. Examination Committee	
U. K. Chaudhary	Chairman
Bipin S. Acharya	Member
M. S. Raghavan	Member
3. Executive Committee	
Mahesh Shah	Chairman
U. K. Chaudhary	Member
R. D. Joshi	Member
A. K. Modi	Member
P. T. Rangamani	Member

II. NON-STANDING COMMITTEES

4. Professional Development Committee	
Mahesh Shah	Chairman
Bipin S. Acharya	Member
O. P. Dani	Member
R. Krishnan	Member
T. V. Padmanabhan	Member
Pramod S. Shah	Member

5. Training and Educational Facilities Committee

U. K. Chaudhary	Chairman
A. K. Modi	Member
D. Puffaiah	Member
P. T. Rangamani	Member
A. K. Sen	Member
Harish K. Vaid	Member

6. Regulations Committee

Mahesh Shah	Chairman
K. R. Chandratre	Member
M. S. Raghavan	Member
Harish K. Vaid	Member

7. Co-ordination Committee

(for co-ordination with ICAI & ICWAI)

Mahesh Shah	Chairman
O. P. Dani	Member
T. V. Padmanabhan	Member
A. K. Sen	Member
C. Sivasankaran	Member
Pramod S. Shah	Member

8. ICSI—NIRC Building Committee

V. K. Podgar	Chairman
Virender Ganda (Chairman, NIRC)	Vice-Chairman
U. K. Chaudhary	Member
O. P. Dani	Member
Harish K. Vaid	Member
Sunil Goyal	Member
Ashok Haldia	Member
N. K. Jain	Member
Paramjeet Singh	Member
R. Rajagopalan (Vice-Chairman, NIRC)	Member
G. Ramanathan (Treasurer, NIRC)	Member

III. ADVISORY BOARD/GROUP

9. Editorial Advisory Board

R. N. Bansal	Chairman
S. Bhavani	Member
Delep Goswami	Member
T. S. Krishna Murthy	Member
R. K. Pandey	Member
A. R. Ramanathan	Member
Pramod S. Shah	Member
Dr. S. P. Narang (Editor & Publisher)	Member

10. Expert Advisory Group

Justice M. S. Gujral (Retd.)	Chairman
S. S. Kumar	Member
R. N. Bansal	Member

APPENDIX-B

FINANCIAL POSITION OF REGIONAL COUNCILS AND NUMBER OF STUDENTS/MEMBERS IN EACH REGION

Item		EIRC	NIRC	SIRC	WIRC
(a) Financial Position					
Surplus for the year 1992-93	(Rs.)	86,145	2,08,226	1,12,865	1,87,463
Reserves and Surplus as on 31-3-1993	(Rs.)	6,85,792	12,00,699	11,83,872	6,09,779
(b) No. of Students and Members					
Students—As on 31-3-1993	(Nos.)	11,800	16,300	17,430	14,479
As on 31-3-1992	(Nos.)	10,907	15,014	15,780	13,681
Members—As on 31-3-1993	(Nos.)	1,166	2,163	2,365	3,154
As on 31-3-1992	(Nos.)	1,182	2,034	2,125	2,966

TABLE OF STATISTICS ON MEMBERS

Part I—Growth of Members

Year	Total number of			Annual Growth over previous year		Removal from Register			% of total number of removals to total membership	No. of C.P. Holders	% of C.P. Holders to total membership
	Associate Members	Fellow Members	Total (2+3)	Absolute	%	Due to non-payment	Due to Death, etc.	Total (7+8)			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
A											
1987-88	4947 (78.09)	1388 (21.91)	6335 (100)	395	6.65	76 (86.36)	12 (13.64)	88 (100)	1.39	1065	16.81
1988-89	5179 (77.66)	1490 (22.34)	6669 (100)	334	5.27	196 (92.02)	17 (7.98)	213 (100)	3.19	1192	17.87
1989-90	5657 (77.95)	1600 (22.05)	7257 (100)	568	8.81	100 (91.74)	9 (8.26)	109 (100)	1.50	1225	16.88
1990-91	6095 (77.91)	1728 (22.09)	7823 (100)	566	7.79	116 (89.92)	13 (10.08)	129 (100)	1.64	1188	15.19
1991-92	6364 (76.61)	1943 (23.39)	8307 (100)	484	5.82	154 (90.58)	16 (9.42)	170 (100)	2.05	1102	13.26
1992-93	6789 (76.73)	2059 (23.27)	8848 (100)	541	11.77	86 (88.65)	11 (11.35)	97 (100)	1.09	609	6.88
B Absolute change (1987-88 to 1992-93)	1842 (73.29)	671 (26.71)	2513 (100)						9		
C Percentage change (1987-88 to 1992-93)	37.23	48.34	39.67						10.23		
D Average Annual Growth Rate (%)	7.5	9.67	7.93						2.05		

Note: Figures in brackets are in percentage □ C.P. = Certificate of Practice.

Part II—Holders of Certificate of Practice

Year	During the year				Total Number of Members holding Certificate of Practice as on 31st March
	Issued	Renewed	Cancelled	Net increase	
1	2	3	4	5	6
A 1987-88	247	818	61	186	1065
1988-89	258	934	131	127	1192
1989-90	122	1103	89	33	1225
1990-91	135	1053	216	-37	1188
1991-92	105	997	209	-86	1102
1992-93	82	527	639	-593	609
B Absolute change (1987-88 to 1992-93)					-4.56
C Percentage change (1987-88 to 1992-93)					-42.81
D Average Annual Growth Rate (%)					-8.56

APPENDIX-D

CONVENTION/SEMINAR/PROFESSIONAL DEVELOPMENT PROGRAMMES

1. Professional Development Programme for Company Secretaries in Practice, May 23-24, 1992 at New Delhi.
2. ICSI-DPE Joint Professional Development Programme on "Managerial & Personnel Aspects relating to Government Companies", July 22-23, 1992 at Bangalore.
3. Orientation Programme in "Central Excise—Law and Procedure", August 31-September 4, 1992 at New Delhi.
4. ICSI-ICAI Joint Professional Development Programme on "Aspects of Corporate Finance & Law", September 18-19, 1992 at Calcutta.
5. National Seminar on "Emerging Capital Markets", October 16-17, 1992 at New Delhi.
6. 20th National Convention & 1st International Conference on "Liberalised International Environment", November 12-14, 1992 at Calcutta.
7. Professional Development Programme on "FERA 1993-Implications and Imperatives of Recent Changes", March 29, 1993 at Madras.

APPENDIX-E

STATISTICS ON STUDENTS (1987-88 to 1992-93)

Year	Registered Students		Candidates who completed	
	Total	Current	Intermediate	Final
A 1987-88	134667	50519	1394	646
1988-89	145051	51459	1234	824
1989-90	157175	52335	1151	779
1990-91	169337	50860	709	908
1991-92	182950	55442	901	449
1992-93	196565	60081	845	620
B Absolute change (1987-88 to 1992-93)	61898			
C Percentage Change (1987-88 to 1992-93)	45.96			
D Average Annual Growth Rate (%)	9.19			

APPENDIX-F

LIST OF EXISTING EXAMINATION CENTRES

I. INDIA

1. AHMEDABAD
2. ALLAHABAD
3. BANGALORE
4. BARODA
5. BHOPAL
6. BHUBANESWAR
7. BOMBAY-I
8. BOMBAY-II
9. CALCUTTA-I
10. CALCUTTA-II
11. CHANDIGARH
12. COIMBATORE
13. DELHI
14. ERNAKULAM
15. GHAZIABAD
16. GUWAHATI
17. HYDERABAD

18. INDORE
19. JAIPUR
20. JAMMU
21. JAMSHEDPUR
22. JODHPUR
23. KANPUR
24. LUCKNOW
25. MADRAS
26. MADURAI
27. MANGALORE
28. NAGPUR
29. PANAJI
30. PATNA
31. PONDICHERRY
32. PUNE
33. SHIMLA
34. THIRUVANANTHAPURAM
35. TIRUCHIRAPALLI
36. VISAKHAPATNAM
- II. FOREIGN
37. DUBAI

APPENDIX-G

STATISTICS ON STUDENTS APPEARED AND PASSED IN EXAMINATIONS

I-June 1992 Session

Examination	Appeared	Passed	Pass %age
PRELIMINARY	68	7	10.29
INTERMEDIATE*			
GROUP-I	2926	593	20.26
GROUP-II	4201	833	19.83
FINAL**			
GROUP-I	851	373	43.83
GROUP-II	946	423	44.71
GROUP-III	1196	409	34.19

*1201 candidates appeared for both groups, out of whom 78 candidates passed both groups (6.49%)

**207 candidates appeared for all groups, out of whom 22 candidates passed all groups (10.62%)

II-December 1992 Session

Examination	Appeared	Passed	Pass %age
PRELIMINARY	63	2	3.17
INTERMEDIATE*			
GROUP-I	3023	372	12.30
GROUP-II	4566	545	11.94
FINAL**			
GROUP-I	846	244	28.84
GROUP-II	1030	414	40.19
GROUP-III	1356	286	21.10

*1444 candidates appeared for both groups, out of whom 51 candidates passed both groups (3.53%)

**213 candidates appeared for all groups, out of whom 31 candidates passed all groups (14.55%)

APPENDIX-H

STATISTICS ON TRAINING TO STUDENTS
(1988-89 TO 1992-93)

S. No.	Training	No. of Companies/Company Secretaries recognised as on 31st March					No. of students sponsored during the year ended 31st March				
		1989	1990	1991	1992	1993	1989	1990	1991	1992	1993
1.	Management Training	371	460	548	613	728	170	125	129	123	192
2.	Practical Training	762	850	957	1035	1146	542	519	664	625	518
3.	Apprenticeship Training with Company Secretary in practice	67	86	101	125	140	80	82	68	87	96

KHANNA & ANNADHANAM
CHARTERED ACCOUNTANTS
 706, Akash Deep, 26-A, Barakhamba Road
 P.O. Box 648, New Delhi 110001
AUDITOR'S REPORT

We have audited the attached Balance Sheet of the Institute of Company Secretaries of India as at 31st March, 1993 and also the annexed Income and Expenditure Account for the year ended on that date and report that :

- (a) we have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit;
- (b) the Balance Sheet and the Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of account and
- (c) in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the statements, read with other notes appended thereto or appearing thereon, give a true and fair view;
 - (i) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs as at 31st March, 1993; and
 - (ii) in the case of the Income and Expenditure Account, of the surplus for the year ended on that date.

for **KHANNA & ANNADHANAM**
 Chartered Accountants.
 Sd/-
(J.R. NARANG)
 Partner

Place : NEW DELHI
 Dated : 24-8-1993

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 1993

Particulars	Schedule	31st March, 1993			31st March, 1992		
		(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
SOURCES OF FUNDS							
Capital Reserve	1			28,72,225		26,90,725	
Fixed Assets Reserve	2					3,78,536	
General Reserve	3			2,89,17,556		2,29,06,743	
				<u>3,17,89,781</u>		<u>2,59,73,004</u>	
APPLICATION OF FUNDS							
Fixed Assets	4						
Gross Block		1,94,68,502			1,79,12,172		
Less : Depreciation		<u>58,91,804</u>			<u>50,68,184</u>		
			1,35,76,698			1,28,43,988	
Add : Advance for purchase of Land			15,59,000				
Building under construction			<u>73,64,572</u>			<u>28,42,426</u>	

Investments	5		2,25,00,270	1,56,86,414
Current Assets, Loans and Advances			47,79,917	82,72,000
Interest accrued on investments	6	16,40,040	64,09,869	
Stock in hand	6	41,33,480	39,49,770	
Sundry Debtors	6	4,57,488	1,67,430	
Cash and Bank balances	6	87,18,028	11,69,369	
Loans and Advances	7	30,88,757	31,57,700	
		1,80,37,793		1,48,54,138
Less : Current liabilities and Provisions	8	1,21,20,470	1,70,79,678	
Current Liabilities		23,07,729	20,59,870	
Provisions				
		1,35,28,199		1,28,39,548
			45,09,594	20,14,590
			3,17,89,781	2,59,73,004

ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS 15

As per our report of even date
For KHANNA & ANNADHANAM
Chartered Accountants

Sd/-
(J.R. NARANG)
Partner

Sd/-
(Dr. S.P. NARANG)
Officiating Secretary

Sd/-
(U.K. CHAUDHARY)
Vice-President

Sd/-
(MAHESH SHAH)
President

New Delhi
24-8-1993

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 1993

	Schedule	1992-93 (Rs.)	1991-92 (Rs.)
INCOME			
Fee from Members and Students	9	2,47,34,431	1,92,14,180
Subscription to Journal/Bulletin and Advertisements		34,40,555	25,45,241
Sale of Publications		15,17,352	12,53,219
Interest on Investments		19,50,439	18,87,590
Surplus from Convention and Programmes	10	1,77,832	1,53,814
Donation for Video Film		—	1,00,000
Less : Expenses		—	(1,00,000)
Other Incomes	11	1,36,241	43,268
		3,19,56,850	2,50,97,342
EXPENDITURE			
Grant to Regional Councils/Chapters		8,56,093	13,99,625
Regional Offices		3,16,932	2,91,698
Establishment	12	1,15,55,891	97,45,611
Postal Tuition		36,27,262	32,42,078
Publications and Office Stationery		14,76,943	11,89,491
Journal/Bulletin		25,73,188	24,16,610
Travelling and Conveyance		11,26,568	7,71,307
Examinations		17,14,258	14,74,284
Communication	13	16,16,640	14,25,602
Student Scholarships and Awards		31,358	32,014
Depreciation	4	8,86,158	7,87,755
Provision for Bad and Doubtful Debts		—	14,070
Professional Training and Development		42,017	31,835

Election		—	3,59,973
Silver Jubilee		1,59,794	—
Other Expenses	14	18,53,382	17,41,647
Excess of Income over Expenditure transferred to General Reserve		41,20,366	1,73,742
		3,19,56,850	2,50,97,342

As per our report of even date
For KHANNA AND ANNADHANAM
Chartered Accountants

Sd/-
(J.R. NARANG)
Partner
New Delhi
24-8-1993

Sd/-
(Dr. S.P. NARANG)
Officiating Secretary

Sd/-
(U.K. CHAUDHARY)
Vice-President

Sd/-
(MAHESH SHAH)
President

Schedule 1

CAPITAL RESERVE

	31st March, 1993 (Rs.)	31st March, 1992 (Rs.)
As per last Account	26,90,725	24,58,225
Add : Entrance Fees		
Associate Members	1,57,500	1,83,300
Fellow Members	24,000	49,200
	1,81,500	2,32,500
	28,72,225	26,90,725

Schedule 2

FIXED ASSETS RESERVE

	31st March, 1993 (Rs.)	31st March, 1992 (Rs.)
Reserve for :		
(A) LAND		
Contribution from Regional Councils	8,29,000	—
Less : Transfer to General Reserve	8,29,000	—
(B) BUILDING		
As per last Account	3,75,536	9,76,125
Add : Contribution from Regional Councils/Chapters	6,57,809	15,56,831
Interest on Fixed Deposits	—	68,785
Donations (Direct)	13,102	—
	6,70,911	16,25,616
	10,46,447	26,01,741
Less : Transfer to General Reserve		
— Contribution from Regional Councils/Chapters	6,57,809	15,56,831
— Construction cost borne by the Institute	3,88,638	5,11,439
	10,46,447	20,68,270
Reduction in the cost of Regional Councils/Chapters land/building	—	1,57,935
	10,46,447	22,26,205
(C) OTHER ASSETS		
Contribution from Regional Councils	15,000	—
Less : Transfer to General Reserve	15,000	—
	—	—
		3,75,536

Note : The balance in the Fixed Assets Reserve of Rs. 18.90 lacs is transferred to General Reserve in terms of accounting policy No. 1 stated under Schedule 15.

GENERAL RESERVE

Schedule 3

	31st March, 1993 (Rs.)	31st March 1992 (Rs.)
As per last Account	2,29,06,743	2,03,48,453
Add : Transfer from Fixed Assets Reserve		
—Land	8,29,000	—
—Building	10,46,447	20,68,270
—Other Asstes	15,000	—
Excess provision written back		
—Gratuity liability	—	4,14,724
Surplus as per Income & Expenditur A/c	41,20,366	1,73,742
	2,89,17,556	2,30,05,189
Less : Adjustment of additional allocation of surplus of 16th Convention to Bangalore Chapter held in earlier year	—	98,446
	2,89,17,556	2,29,06,743

FIXED ASSETS

Schedule 4
(Figures in Rs.)

ITEMS	GROSS BLOCK			
	Cost as on 1-4-92	Additions during the year	Sales/Adjustment during the year	Total cost as on 31-3-93
Land	22,65,903	—	—	22,65,903
Buildings	1,08,25,258	7,84,011	—	1,16,09,269
Cycle/Scooter Shed	19,993	—	—	19,993
Furniture and Fixtures	12,30,540	61,398	814	12,91,124
A/C Installation and Coolers	9,35,727	27,455	21,870	9,41,312
Computers	2,75,599	3,46,346	—	6,21,945
Electrical Equipment	2,00,260	21,250	2,650	2,18,860
Office Equipment	10,86,375	1,60,910	10,097	12,37,188
Other Equipment	20,148	2,370	1,530	20,988
Library Books	9,08,863	1,09,142	—	10,18,005
Vehicle	1,43,506	1,97,097	1,16,688	2,23,915
This Year Total	1,79,12,172	17,09,979	1,53,649	1,94,68,502
Previous Year Total	1,53,29,018	27,92,565	2,09,411	1,79,12,172
Advance for purchase of Land	—	15,59,000	—	15,59,000
Buildings under construction including advances	28,42,426	47,22,146	2,00,000	73,64,572
This Year Total	28,42,426	62,81,146	2,00,000	89,23,572
Previous Year Total	24,85,497	9,98,994	6,42,065	28,42,426

DEPRECIATION

NET BLOCK

As on 1-4-92	For the year	Adjustment during the year	Total depreciation	As on 31-3-93	As on 31-3-92
—	—	—	—	22,65,903	22,65,903
21,62,597	4,72,334	—	26,34,931	89,74,338	86,62,661
19,646	116	—	19,762	231	347
7,30,544	56,115	568	7,86,091	5,05,033	4,99,996
6,60,787	43,910	12,209	6,92,488	2,48,824	2,74,940
61,059	84,133	—	1,45,192	4,76,753	2,14,540
1,05,711	17,324	2,350	1,20,685	98,175	94,549
6,21,651	93,695	9,092	7,06,254	5,30,934	4,64,724
12,535	1,430	1,082	12,883	8,105	7,613
6,30,216	77,558	—	7,07,774	3,10,231	2,78,647
63,438	39,543	37,237	65,744	1,58,171	80,068
50,68,184	8,86,158	62,538	58,91,804	1,35,76,698	1,28,43,988
43,26,927	7,87,755	46,498	50,58,184	1,28,43,988	—
—	—	—	—	15,59,000	—
—	—	—	—	73,64,572	28,42,426
—	—	—	—	89,23,572	28,42,426
—	—	—	—	28,42,426	—

Schedule 5

INVESTMENTS

	31st March, 1993 (Rs.)	31st March, 1992 (Rs.)
Bonds of Public Sector Undertakings	17,07,917	52,00,000
Fixed Deposits with Banks	30,00,000	30,00,000
Investments for Prize Awards (per contra)		
—Bonds of Public Sector Undertakings	40,000	40,000
—Fixed Deposits with Banks	32,000	32,000
	<u>47,79,917</u>	<u>82,72,000</u>

Notes:

- (1) Bonds of Public Sector Undertakings are shown at face value. Market value as on 31-3-1993 is not available.
 (2) 13 % non-cumulative bonds of NTPC of the face value of Rs. 6 lacs were purchased during the year at a cost of Rs. 5.08 lacs.
 (3) A sum of Rs. 103.12 lacs was realised during the year on maturity of 14% cumulative bonds of NTPC of the face value of Rs. 40 lacs.

Schedule 6

CURRENT ASSETS

	31st March, 1993 (Rs.)	31st March, 1992 (Rs.)
INTEREST ACCRUED ON INVESTMENTS	16,40,040	64,09,869
STOCK (Valued at cost as certified by the Management)		
Publications	6,54,927	5,92,779
Paper	15,01,458	14,92,614
Study Material	15,14,828	15,54,365
Others	4,62,267	3,10,012
	<u>41,33,480</u>	<u>39,49,770</u>
SUNDRY DEBTORS		
(a) Unsecured considered good		
Outstanding for more than six months	65,690	36,505
Others	3,91,798	1,30,925
	<u>4,57,488</u>	<u>1,67,430</u>
(b) Unsecured considered doubtful	5,695	33,755
Less: Reserve for Bad & Doubtful Debts	<u>5,695</u>	<u>33,755</u>
	4,57,488	—
		1,67,430
CASH AND BANK BALANCES		
Cash, Postal Stamps and Drafts, etc. in hand	1,04,590	1,22,998
Bank balances with Scheduled Banks	86,13,438	10,46,371
in Savings Bank Accounts		
	<u>87,18,028</u>	<u>11,69,369</u>
	<u>1,49,49,036</u>	<u>1,16,96,438</u>

Schedule 7

LOANS AND ADVANCES (UNSECURED-CONSIDERED GOOD)

	31st March, 1993 (Rs.)	31st March, 1992 (Rs.)
LOANS		
Regional Councils/Chapters for Buildings	10,71,288	12,32,468
ADVANCES		
Employees	10,67,869	10,73,873
Regional Councils/Chapters	1,12,141	1,72,568
Prepaid Expenses	2,83,988	2,88,975
Sundry Deposits	1,75,671	1,83,571
Other Advances	3,77,800	2,05,245
	<u>30,88,757</u>	<u>31,57,700</u>

CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS

Schedule 8

	31st March, 1993 (Rs.)	31st March, 1992 (Rs.)
CURRENT LIABILITIES		
Sundry Creditors	2,02,674	2,61,531
Students Registration Fee for unexpired services	70,89,058	63,38,862
Payable to Regional Councils/Chapters	8,98,059	8,61,590
Fee and other amounts received in advance	1,80,927	71,880
Donation-Reallocable	2,00,209	1,40,777
Expenses Payable	17,78,598	20,51,148
Hospitalisation Scheme	45,200	32,050
Deposits received for prize awards (per contra)	72,000	72,000
Benevolent Funds	94,135	70,360
Gratuity Trust (LIC)	6,59,610	8,79,480
	1,12,20,470	1,07,79,678
PROVISIONS		
Pension	23,07,729	20,59,870
	1,35,28,199	1,28,39,548

FEES FROM MEMBERS AND STUDENTS

Schedule 9

	1992-93 (Rs.)	1991-92 (Rs.)
MEMBERS		
Annual Fees	22,82,670	22,93,038
Other Fees	30,550	16,500
	23,13,220	23,09,538
STUDENTS		
Examination Fees	52,19,673	40,44,048
Postal Tuition Fees	1,39,82,239	99,97,294
Registration Fees	32,76,811	29,19,778
Licentiate Fees	1,02,293	85,751
Exemption Fees	13,01,307	11,76,031
Other Fees	1,88,742	42,250
	2,40,71,065	1,82,65,152
TOTAL FEES	2,63,84,285	2,05,74,690
Less: Allocated to Subscription for Journal/Bulletin	16,49,854	13,60,518
	2,47,34,431	1,92,14,180

INCOME FROM CONVENTION AND PROGRAMMES

Schedule 10

	1992-93 (Rs.)	1991-92 (Rs.)
Receipts		
Delegate Fees	11,23,880	7,37,350
Advertisements	1,26,100	1,10,700
From past Conventions	5,572	-
Others	7,80,400	28,000
	20,35,952	8,76,050
Less: Expenditure	18,38,120	7,02,206
Allocation to Company Secretaries/ ICSI Employees Benevolent Funds	20,000	20,000
	18,58,120	7,22,206
	1,77,832	1,53,844

Schedule 11

OTHER INCOMES

	1992-93 (Rs.)	1991-92 (Rs.)
Interest on Staff Advances	50,876	14,618
Expert Advisory Services	3,000	—
Excess provision written back	52,720	—
Miscellaneous Income	29,645	28,650
	<u>1,36,241</u>	<u>43,268</u>

Schedule 12

ESTABLISHMENT

	1992-93 (Rs.)	1991-92 (Rs.)
Salary and Allowances	99,74,404	83,66,618
Contribution to Provident Fund	4,13,561	3,89,025
Premium to LIC (Gratuity)	1,45,772	—
Pension	4,47,300	3,39,570
Staff Welfare	5,74,854	6,50,398
	<u>1,15,55,891</u>	<u>97,45,611</u>

Schedule 13

COMMUNICATION

	1992-93 (Rs.)	1991-92 (Rs.)
Postage and Telegrams	10,34,079	9,77,841
Telephone, Telex and Intercom	5,82,561	4,47,761
	<u>16,16,640</u>	<u>14,25,602</u>

Schedule 14

OTHER EXPENSES

	1992-93 (Rs.)	1991-92 (Rs.)
Advertisement and Publicity	43,252	82,971
Bank Charges	15,990	19,861
Electricity and Water	3,55,312	3,39,113
Insurance	17,749	14,934
Rent, Rates and Taxes	1,72,065	2,00,448
Repairs and Maintenance		
—Building	61,990	1,47,937
—Others	2,17,766	1,45,040
Legal	1,49,405	91,681
Motor Car Expenses	58,989	58,274
Office Expenses	2,25,012	2,16,906
Computerisation	1,51,037	1,63,694
Development of Computer Software	15,500	—
Payment to Auditors—Statutory Audit	15,000	15,000
Meetings	75,484	54,539
Packing, Cartage and Freight	1,90,188	1,89,559
Loss on Sale/Disposal of Assets	5,855	1,690
Contribution to MRTTP Seminar	46,698	—
Security Services	36,090	—
	<u>18,53,382</u>	<u>17,41,647</u>

ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS

(A) ACCOUNTING POLICIES

1. Donations and Contributions by Regional Councils/Chapters:

Direct donations and contributions by Regional Councils/Chapters towards purchase of land/buildings and other assets are credited to "Fixed Assets Reserve." Funds actually utilised towards purchase of such assets are transferred to "General Reserve."

2. Fees:

(a) Entrance fee from fellow and associate members is capitalised when received and reflected under "Capital Reserve".

(b) Fees received from members is accounted for on accrual basis.

(c) Fees received from students is accounted for on receipt basis except registration fee which is taken to income equally over a five year period.

3. Investments:

Investments are valued at cost.

4. Fixed Assets:

(a) Depreciation on fixed assets is charged on written down value basis at the following rates:

Buildings	5%
Furniture & Fixtures	10%
Airconditioners/coolers, Computers and other equipments	15%
Library Books	20%
Vehicles	20%
Sheds	33.33%

Depreciation on additions is charged for the full year.

(b) Effective 1-4-1992, individual items of fixed assets except library books, costing less than Rs. 250 or having a written down value of less than Rs. 250 are directly expensed.

5. Inventories:

Inventories of paper, publications and study materials are valued at cost.

6. Pension:

Provision for Pension is made on the basis of actuarial valuation. Accumulated funds are invested in Bonds of Public Sector Undertakings along with surplus funds of the Institute without separate identification.

7. Gratuity:

Contribution to Gratuity Trust is made in accordance with the Group Gratuity Scheme of the Life Insurance Corporation of India.

8. Interest:

(a) Interest on investments on cumulative bonds of Public Sector Undertakings and other investments is taken to income to the extent actually accrued.

(b) Interest earned on investment of surplus funds against fixed assets as a part of overall investment of funds is calculated on the basis of average funds available during the year and credited to Fixed Assets Reserve.

(c) Interest on loans to employees is accounted for on cash basis.

(B) NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS

1. Application for exemption u/s 10 (23c) (iv) of the Income Tax Act, 1961 in respect of the year ended 31-3-1989 and for subsequent years is pending reconsideration before the Government of India. Also that an application for exemption u/s 10(22) of the Income Tax Act, 1961 in respect of the years ended 31-3-1991 and 1992 has been lodged with the Director of Income Tax (Exemptions). Pending final decisions in this respect, no provision for taxation has been made in the accounts.

2. In respect of new building under construction at Prasad Nagar, New Delhi the Contractor has preferred claims against the Institute aggregating to Rs. 57.21 lacs for work done and for damages towards termination of contract. The Institute had also lodged counter-claim amounting to Rs. 410 lacs. As the matter is pending in arbitration and/or before the High Court of Delhi, no provision thereof has been made in the accounts.

3. A piece of land measuring 1975 sq.mtrs. was allotted by the City and Industrial Development Corporation of Maharashtra Ltd (CIDCO) to WIRC of the Institute at a consideration of Rs. 26.55 lacs on a sixty years lease. Possession of the land will be handed over by CIDCO only after receiving the full lease premium and other dues. Advances made to the extent of Rs. 15.59 lacs, of which sums aggregating to Rs. 8.29 lacs are contributed by WIRC, are reflected under "Advance for purchase of Land" in the Balance Sheet.

4. Previous year's figures have been regrouped wherever necessary.

